दैनिक

नवयत्न

केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

RNI No. RAJHIN/2010/31619
Post.Reg No. sikar/041/2016-2018

खबरें सड़क से संसद तक

वर्ष: 17 | अंक 104 | सीकर, शुक्रवार 12 जून 2026 | Email : navyatndainik@gmail.com | मूल्य 1 रुपया | पृष्ठ 8

राज्यसभा-चुनाव से पहले 26 में से 18 उम्मीदवार निर्विरोध जीते

इनमें मल्लिकार्जुन खड़गे और पवन खेड़ा शामिल; 6 सीटों पर 18 जून को मतदान

नई दिल्ली।

राज्यसभा की 26 सीटों में 18 पर निर्विरोध उम्मीदवार चुने गए हैं। इनमें 10 भाजपा, 4 कांग्रेस, 3 झ्रष्ठक्कऔर 1 जनसेना से है। चुनाव जीतने वालों में कर्नाटक से कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और मीडिया व प्रचार प्रमुख पवन खेड़ा का नाम शामिल है। इन 18 सीटों में से भाजपा को 2 सीटों का फायदा हुआ है। एमपी में 3 सीटें खाली हुई थीं, इनमें 2 भाजपा और 1 सीट कांग्रेस के पास थी। वहीं, गुजरात में 4 सीटें खाली हुईं थीं। इनमें 3 भाजपा और 1 कांग्रेस के पास थी। बाकी 8 सीटों पर 18 जून को वोटिंग होगी। अब दोनों राज्यों की 7 सीटों पर भाजपा उम्मीदवार निर्विरोध चुने गए हैं।

राजस्थान : भाजपा दो और कांग्रेस एक राज्यसभा सीट पर जीती

सतीश पूनिया, अलका सिंह और नीरज डांगी निर्विरोध चुने गए

जयपुर। राजस्थान में राज्यसभा की 3 सीटों पर निर्विरोध निर्वाचन हो गया है। 2 सीटों पर भाजपा के सतीश पूनिया, अलका गुर्जर और 1 सीट पर कांग्रेस के नीरज डांगी ने जीत दर्ज की है। आज नाम वापसी का समय खत्म होने के बाद तीनों उम्मीदवारों को निर्विरोध चुने जाने की घोषणा कर दी गई। विधानसभा सचिव और चुनाव अधिकारी ने तीनों उम्मीदवारों के निर्वाचन सर्टिफिकेट जारी कर दिए हैं। राज्यसभा चुनावों के लिए 18 जून को वोटिंग होनी थी, लेकिन तीन सीटों पर तीन ही उम्मीदवार होने के कारण वोटिंग की जरूरत नहीं पड़ी। तीनों सांसदों का कार्यकाल जून 2032 तक रहेगा। कांग्रेस राज के दौरान राज्यसभा चुनावों के दौरान कड़ा मुकाबला होने के कारण विधायकों की बाड़ेबंदी की गई थी, लेकिन इस बार ऐसी जरूरत नहीं पड़ी। राज्यसभा की तीनों सीटों पर संख्या बल के हिसाब से 2 पर भाजपा और 1 पर कांग्रेस की जीत के समीकरण थे।

राम मंदिर में 7 करोड़ चढ़ावे की चोरी का आरोप

अयोध्या। अयोध्या राम मंदिर में आए चढ़ावे में 7 करोड़ रुपए की चोरी के दावे पर सियासत जारी है। खुद को मंदिर का पूर्व लेखा प्रभारी बताने वाले महिपाल सिंह ने कहा कि मंदिर में चोरी कोई नई बात नहीं थी, यह रोजाना होती थी। मैंने खुद चोरी पकड़ी थी। उन्होंने बताया कि इसकी शिकायत राम मंदिर ट्रस्ट के महामंत्री चंपत राय और मेंबर गोपाल जी से की थी। अगले ही दिन चंपत राय ने मुझे हटा दिया। मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरों की 8 महीने पुरानी फुटेज डिलीट करवा दी गई। चंपत राय मंदिर परिसर की व्यवस्थाओं में मनमर्जी चलाते हैं। अगर कोई विरोध करता है, तो उसे हटा दिया जाता है। इस बीच, शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने गुरुवार को एटा में कहा- राम मंदिर में शिला पूजन के समय से ही चोरी हो रही है। कितने आरोप लग चुके हैं।

मानसून बिहार पहुंचा, 8 दिन में 17 राज्य कवर

2-3 दिन में झारखंड-छत्तीसगढ़ पहुंचेगा; यूपी-बिहार में आंधी और बिजली गिरने से 9 की मौत

भोपाल/जयपुर/लखनऊ/पटना। मानसून ने गुरुवार को बिहार में एंट्री कर ली है। तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में भी यह आगे बढ़ गया है। 4 जून को केरलम में एंट्री के बाद से मानसून 8 दिन में 17 राज्यों तक पहुंच चुका है। अगले 2-3 दिनों इसके में उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड और ओडिशा पहुंचने की संभावना है।

बिहार के 11 जिलों में आज सुबह से आंधी-बारिश हो रही है। खगड़िया में बिजली गिरने से 5 लोगों की मौत हो गई और 4 लोग झुलस गए हैं। पटना, बक्सर, सुपौल समेत 5 जिलों में घने बादलों से अंधेरा छा गया। लोगों को गाड़ियों की लाइट जलाकर चलना पड़ा। यूपी में आंधी से एक पेट्रोल पंप की छत उड़ गई। चित्रकूट में 4.5 करोड़ रुपए के ऑडिटोरियम की छत भी उड़ गई। बरेली, इटावा, सीतापुर और फिरोजाबाद में आंधी-तूफान से 4 लोगों की मौत हुई। पंजाब के मानसा में तेज आंधी के दौरान लोहे का गेट गिरने से 9 साल के बच्चे की मौत हो गई। इधर, गुजरात को छोड़कर बाकी सभी राज्यों में प्री-मानसून का असर है। दिल्ली में खराब मौसम के चलते 2 फ्लाइट जयपुर डायवर्ट करनी पड़ीं।

नीति आयोग की बैठक : दुनिया में अनिश्चितता, भारत पूरे भरोसे के साथ आगे बढ़ रहा : पीएम मोदी

नई दिल्ली

गुरुवार को दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता नीति आयोग की 11वीं गवर्निंग काउंसिल बैठक हुई. जिसमें देश के सभी राज्यों और शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, उपराज्यपाल, केंद्रीय मंत्री और नीति आयोग के अधिकारी शामिल हुए. इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने केंद्र और राज्यों के बीच मिलकर काम करने पर जोर दिया है. पीएम ने कहा कि जब हम विकसित भारत के अपने सपने की तरफ बढ़ रहे हैं तो फिर केंद्र और राज्यों की जिम्मेदारी और ज्यादा बढ़ जाती है. तमिलनाडु, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल के नए मुख्यमंत्री पहली बार इस बैठक में शामिल हुए.

केंद्र और राज्य के बीच हो सहयोग: पीएम मोदी

नीति आयोग की बैठक में पीएम मोदी ने कहा कि आज दुनिया अनिश्चितता और अस्थिरता के दौर से गुजर रही है . लेकिन भारत आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प के साथ विकास के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है . विकसित भारत के विजन को हासिल करने के लिए अब हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारियां भी बढ़ जाती हैं . उन्होंने केंद्र और राज्यों के बीच आपसी सहयोग, बातचीत और संवाद के आदान-प्रदान की बात कही है . जिसमें नीति आयोग सहयोग के लिए एक मंच के तौर पर अपनी बड़ी भूमिका निभा सकता है . जिसमें राज्यों और केंद्रों के बीच संवाद होना चाहिए . ताकि हम मिलकर एक ही विजन पर काम कर सके .

सीएम ने नीति-आयोग की बैठक में राजस्थान का विजन रखा

कहा-63 प्रतिशत युवा आबादी को ध्यान में रखकर काम रहे, किसान कल्याण में भी राजस्थान आगे

जयपुर। सीएम भजनलाल शर्मा ने आज दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई नीति आयोग की बैठक में राजस्थान का विजन रखा। उन्होने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति को राज्य सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों के केंद्र में रखकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार प्रदेश की 63 प्रतिशत युवा आबादी को विकास का प्रमुख आधार बनाने की दिशा में काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा प्रारंभ किया गया माय भारत अभियान युवाओं को राष्ट्र निर्माण से जोड़ने का सशक्त माध्यम बन रहा है। राजस्थान में इस अभियान को व्यापक समर्थन मिला है और 18 लाख पंजीकृत युवाओं के साथ राज्य देश में दूसरे स्थान पर है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में राजस्थान कौशल नीति-2025, राजस्थान युवा नीति-2025 और राजस्थान रोजगार नीति-2026 लागू की गई हैं। इसके अतिरिक्त सहकारिता, डेयरी विकास और एक जिला-एक उत्पाद जैसी पहलों के माध्यम से स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार किसानों को उत्पादक से ऊर्जा उत्पादक और उद्यमी बनाने की दिशा में काम कर रही है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत 2 करोड़ 19 लाख बीमा पॉलिसियां जारी की गई हैं और पीएम-कुसुम योजना (कम्पोनेंट-ए) के तहत 723 मेगावाट क्षमता की 496 सौर ऊर्जा परियोजनाएं स्थापित की गई हैं।

जनसुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता, सभी विभाग समन्वित तैयारी सुनिश्चित करें : डॉ. किरोड़ीलाल मीणा

15 जून से 24 बाई 7 सक्रिय रहेंगे नियंत्रण कक्ष, सभी विभागों को समन्वित कार्यवाही के निर्देश

जयपुर।

आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि आगामी मानसून के दृष्टिगत प्रदेश में संभावित बाढ़, अतिवृष्टि, जलभराव एवं अन्य प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए सभी विभाग व्यापक एवं समन्वित तैयारियां सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जनसुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा संभावित आपदा की स्थिति में त्वरित राहत एवं बचाव कार्य सुनिश्चित करने के लिए अभी से पूर्ण तैयारी रखें।

शासन सचिवालय के सभागार में गुरुवार को आयोजित राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक में डॉ.किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि पिछले वर्षों के अनुभवों एवं संवेदनशील क्षेत्रों के आकलन के आधार पर बाढ़ संभावित एवं जलभराव वाले क्षेत्रों की पुन: पहचान की जाए तथा वहां आवश्यक संसाधनों की अग्रिम उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि आपदा प्रबंधन में पूर्व तैयारी, समयबद्ध चेतावनी, त्वरित प्रतिक्रिया तथा प्रभावी समन्वय सफलता का आधार है।

उन्होंने निर्देश दिए कि राज्य एवं जिला स्तर पर स्थापित आपदा नियंत्रण कक्ष 15 जून से चौबीसों घंटे सक्रिय रहें। राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष, जिला नियंत्रण कक्ष तथा विभागीय नियंत्रण कक्षों के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित किया जाए तथा सभी सूचनाएं समय पर राज्य नियंत्रण कक्ष को प्रेषित की जाएं। आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों एवं एडवाइजरी की पूर्ण पालना सुनिश्चित की जाए।

आपदा प्रबंधन मंत्री ने कहा कि भारतीय मौसम विज्ञान विभाग द्वारा 24 घंटे संचालित वेधशालाओं एवं मौसम निगरानी तंत्र के माध्यम से नियमित मौसम पूर्वानुमान एवं चेतावनियां जारी की जा रही हैं। मौसम संबंधी जानकारी के त्वरित प्रसार के लिए सोशल मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, प्रिंट मीडिया, एसएमएस, व्हाट्सएप समूहों तथा अन्य संचार माध्यमों का प्रभावी उपयोग किया जाए। उन्होंने सभी अधिकारियों को सचेत ऐप डाउनलोड कर चेतावनी अलर्ट से अद्यतन रहने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मानसून की नियमित निगरानी के लिए वेदर वॉच ग्रुप का गठन किया गया है, जो नियमित बैठकों के माध्यम से वर्षा की स्थिति, संभावित जोखिमों तथा आवश्यक तैयारियों की समीक्षा करेगा। राज्य एवं जिला स्तर पर आपदा प्रबंधन तंत्र, मौसम विभाग, जल संसाधन विभाग तथा जिला प्रशासन के बीच सतत समन्वय बनाए रखा जाएगा।

डॉ. मीणा ने जल संसाधन विभाग को सभी बांधों, जलाशयों एवं एनीकटों के गेटों की मरम्मत, रखरखाव एवं नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने डाउनस्ट्रीम क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए प्रभावी अर्ली वार्निंग सिस्टम विकसित करने, बाढ़ संभावित क्षेत्रों का जोखिम मूल्यांकन करने तथा आवश्यकता पड़ने पर सुरक्षित निकासी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा।

उन्होंने नगरीय विकास विभाग, स्थानीय निकायों एवं पंचायतीराज संस्थाओं को नालों की सफाई, ड्रेनेज तंत्र को सुचारू बनाने, जलभराव वाले क्षेत्रों की पहचान करने तथा डी-वाटरिंग के लिए पर्याप्त पम्पसेट, जनरेटर, रेत की बोरियां एवं अन्य आवश्यक उपकरण उपलब्ध रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उचित ड्रेनेज व्यवस्था के माध्यम से शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जलभराव की समस्या को न्यूनतम किया जाए।

डॉ. मीणा ने कहा कि बाढ़ प्रबंधन के लिए त्रिस्तरीय तैयारी सुनिश्चित की जाए। इसमें बाढ़ से पूर्व की तैयारी, बाढ़ के दौरान राहत एवं बचाव कार्य तथा बाढ़ के पश्चात पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन की कार्ययोजना शामिल हो। जिला कलक्टर बाढ़ संहिता के अनुसार सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें।

केरलम में निपाह वायरस लौटा, संक्रमित वेंटिलेटर पर

संपर्क में आए 15 लोग क्वारंटीन; शिगेला इंफेक्शन के भी 55 मरीज एडमिट, इनमें बच्चे ज्यादा

तिरुवनंतपुरम।

केरलम में इस साल निपाह वायरस का पहला केस सामने आया। 43 साल मरीज कोझिकोड का रहने वाला है। मरीज को हल्का बुखार आने पर प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती किया गया था। बाद में कोझिकोड मेडिकल कॉलेज भेजा गया। उसकी हालत गंभीर है और वह वेंटिलेटर पर है।

राज्य सरकार ने रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद पूरे प्रदेश में हाई अलर्ट जारी किया। निपाह के अलावा चार जिलों वायनाड, तिरुवनंतपुरम, कोझिकोड और कोल्लम में शिगेला इंफेक्शन का असर है। 20 लोगों में शिगेला की पुष्टि हुई है। 55 मरीज अस्पतालों में एडमिट हैं। कुल 578 लोग शिगेला के संदिग्ध पाए गए हैं।

सबसे ज्यादा असर वायनाड में दिखा है। यहां संक्रमितों में बड़ी संख्या सरकारी सहायता प्राप्त स्कूल के छात्रों की है। अस्पताल में भर्ती 55 मरीजों में से 47 भी वायनाड के हैं। इसके अलावा सात सैंपलों की जांच रिपोर्ट अभी आना बाकी है।

मरीज के संपर्क में आए 77 लोग, इनमें दो हाईएस्ट रिस्क कैटेगरी में

निपाह वायरल के मामले पर स्वास्थ्य मंत्री के. मुरलीधरन ने कहा कि मरीज कई लोगों के संपर्क में आया था। इनमें परिवार, जान-पहचान के लोग और अस्पताल स्टाफ शामिल है। कुल 77 कॉन्टैक्ट्स में से 58 हेल्थकेयर वर्कर्स 14 परिवार के सदस्य, 5 दोस्त और सहकर्मी हैं। कुल 15 लोग क्वारंटीन हैं, इनमें से 2 लोगों को हाईएस्ट रिस्क और 13 को हाई रिस्क कैटेगरी में रखा गया है। फिलहाल घबराने की जरूरत नहीं है। 2018 के बाद से केरलम में छठी बार संक्रमण फैला है। आखिरी बार दो साल पहले 2024 में दो केस मिले थे। इनमें एक मरीज की जान चली गई थी।

मरीज निपाह वायरस की चपेट में कैसे आया

अधिकारियों के मुताबिक, मरीज ने हाल ही में एक गोदाम किराए पर लिया था और खुद उसकी सफाई की थी। आशंका है कि इसी दौरान वह संक्रमण की चपेट में आया। निपाह वायरस मुख्य रूप से फ्रूट बैट (फल खाने वाले चमगादड़ों) से फैलता है।

कोबरी-सार

रेलमंत्री बोले-अध्यक्ष नाराज हो जाएं तो टिकट कट जाती है

अश्विनी वैष्णव ने प्रदेशाध्यक्ष को देख कहा- अध्यक्ष जी ने अप्रुव कर दिया, चलो राजनीति जिंदा रहेगी

जयपुर। जयपुर में रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा- अध्यक्ष नाराज हो जाएं तो पार्टी से टिकट भी कट जाती है। दरअसल अश्विनी वैष्णव गुरुवार को दुर्गापुरा कृषि अनुसंधान केंद्र में शहर बीजेपी के 'प्रबुद्धजन विकसित भारत संकल्प सम्मेलन' को संबोधित कर रहे थे। संबोधन के दौरान अश्विनी वैष्णव ने राजस्थान के अलग-अलग शहरों के रेलवे स्टेशन पर हो रहे विकास कार्यों को बताया।

जब पाली स्टेशन की बारी आई तो मंत्री वैष्णव ने बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ की ओर मुस्कुराते हुए कहा- अध्यक्ष नाराज हो जाएं तो पार्टी से टिकट भी कट जाती है। इसके बाद उन्होंने पाली स्टेशन की तस्वीर दिखाकर राठौड़ से अप्रूवल मांगा। राठौड़ के सहमति जताने पर वैष्णव ने मजाकिया अंदाज में कहा- अध्यक्ष जी ने अप्रूव कर दिया, चलो राजनीति जिंदा रहेगी। इस पर कार्यक्रम स्थल पर मौजूद लोग ठहाके लगाकर हंसने लगे। कार्यक्रम में मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा- साल 2014 से पहले गेरू और टाइल लगाने को स्टेशन का विकास कहा जाता था। अब 50 साल आगे की सोच के साथ स्टेशन बनाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा- पहले सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण राजस्थान को रेलवे के लिए करीब 682 करोड़ रुपए का बजट मिलता था।

प्रभारी मंत्री गहलोत ने ली समीक्षा बैठक, शहरी सेवा शिविरों के लिए दिए दिशानिर्देश

जयशकर जांगिड़

झुंझुनू (नवयत्न)। जिले के प्रभारी मंत्री एवं सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में उन्होंने विभिन्न विभागों की योजनाओं एवं विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं समयबद्ध निष्पादन के निर्देश दिए। प्रभारी मंत्री ने जिले में पेयजल व्यवस्था की समीक्षा करते हुए टैंकर संचालन की नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पेयजल संबंधी शिकायतों के त्वरित निस्तारण के लिए स्थापित कंट्रोल रूम के संपर्क नंबरों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि आमजन किसी भी समस्या की स्थिति में आसानी से शिकायत दर्ज करवा सकें। उन्होंने विद्युत आपूर्ति व्यवस्था की भी समीक्षा की तथा जीएसएस मरम्मत कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। बैठक में जिले में संचालित वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत किए गए कार्यों एवं पौधारोपण गतिविधियों की भी समीक्षा की गई। प्रभारी मंत्री ने 12 जून से प्रारंभ होने वाले ग्रामीण एवं शहरी सेवा शिविरों के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि शिविरों का लाभ अधिकतम लोगों तक पहुंचे, इसके लिए प्रभावी कार्ययोजना बनाकर व्यापक जन जागरूकता सुनिश्चित की जाए। बैठक में उन्होंने पीएम विश्वकर्मा योजना, पीएम किसान सम्मान निधि योजना, जल जीवन मिशन, अमृत योजना, लखपति दीदी योजना सहित केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न फ्लैगशिप योजनाओं की प्रगति की समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में झुंझुनू विधायक राजेंद्र भांबू, जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग, पूर्व सांसद नरेंद्र कुमार, पुलिस अधीक्षक कावेंद्र सागर, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी परशुराम धानका, अतिरिक्त जिला कलेक्टर अजय कुमार आर्य, बनवारी लाल सैनी, विशंभर पूनिया, सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

सड़क किनारे जा रहे व्यक्ति को डंपर ने मारी टक्कर, हादसे में राहगीर की हुई मौत

खेतड़ी (नवयत्न)। मेहाड़ा थाना क्षेत्र के गुरजवास स्थित देर शाम को डंपर ने राहगीर को टक्कर मार दी। इस दौरान हादसे में राहगीर की मौत हो गई। घटना के दौरान ग्रामीणों ने डंपर ड्राइवर को पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया। एएसआई भोमाराम ने बताया कि गुजरवास निवासी मालाराम 71 रिछपालसिंह देर शाम को सड़क किनारे स्टैंड से अपने घर जा रहे थे। इस दौरान जब वह गांव के नजदीक पंहुचे तो पिछे से आए एक डंपर ने उनको टक्कर मार दी। टक्कर लगने से मालाराम घायल हो गए। हादसे के दौरान आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तथा घायल मालाराम को उपचार के लिए नारनौल ले जाया गया। इस दौरान हालत गंभीर होने पर उसे जयपुर रैफर कर दिया कि रास्ते में उसकी मौत हो गई। परिजन सुरेंद्र दायमा ने बताया कि मृतक मालाराम खेती का कार्य करता था। इनके तीन बेटे रामसिंह, हिरालाल व विक्रम है जो मजदूरी करते हैं। मृतक शाम को सड़क किनारे टहल कर अपने घर आ रहा था कि हादसे का शिकार हो गया। खेतड़ी के खनन क्षेत्र में डंपरों का संचालन अधिक होने आए दिन हादसे हो रहे हैं। ओवरलोड डंपरों से होने वाले हादसों को लेकर ग्रामीणों की ओर से पूर्व में कई बार धरना प्रदर्शन कर चुके हैं। इसके बाद भी धड़ल्ले से ओवरलोड डंपरों का संचालन हो रहा है। एएसआई भोमाराम ने बताया कि राजकीय उप जिला अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम करवाया जा रहा है, परिजनों की ओर से दी जाने वाली रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

स्वामी विवेकानंद गर्वनमेंट कालेज में स्नातक प्रथम सेमेस्टर की प्रवेश वरियता एवं कट ऑफसूची जारी

खेतड़ी (नवयत्न)। खेतड़ी के स्वामी विवेकानंद गर्वनमेंट कालेज में स्नातक प्रथम सेमेस्टर की प्रवेश वरियता एवं कट ऑफ सूची जारी की गई। दस्तावेज सत्यापन के बाद ही प्रवेश दिया जाएगा। जानकारी देते हुए प्राचार्य महिपाल कुमावत व नोडल अधिकारी डॉ. सीपी कुलश्रेष्ठ ने बताया कि इसमें बीएससी प्रथम सेमेस्टर जीव विज्ञान में सामान्य 87, सामान्य बालिका 93.2, ओबीसी 84.4 एओबीसी बालिका 85.8, एससी 74, एससी बालिका 81.2 एएसटी 61.4 एएमबीसी 86.2 एएमबीसी बालिका 87 एईडब्ल्यूएस 69. 5 एईडब्ल्यूएस बालिका में 63.8, बीएससी गणित में सामान्य 85.6, सामान्य बालिका 89.6 एओबीसी 75.6 एओबीसी बालिका 75.4, एससी 74, एससी बालिका 58.8, एससी बालिका 65एएसटी 56.4 एएसटी बालिका 71.8 एएमबीसी 80 एएमबीसी बालिका 84 एईडब्ल्यूएस 69 4 एईडब्ल्यूएस बालिका में 65.6 एबी, में सामान्य 72.4, सामान्य बालिका 81.8 एओबीसी 47.2 एओबीसी बालिका 52.2, ओबीसी बालिका, एससी 37.6, एससी बालिका 57 एएसटी 51 एएसटी बालिका 58.2 एएमबीसी 61.8 एएमबीसी बालिका 60.8 एईडब्ल्यूएस 56. 6 एईडब्ल्यूएस बालिका में 62.4, बीकॉम में सामान्य में 51.8 व सामान्य बालिका में 57 है।

केंद्र एवं राज्य सरकार की उपलब्धियों पर आधारित जिला स्तरीय प्रदर्शनी का शुभारंभ

सुरेन्द्र शर्मा

झुंझुनू (नवयत्न)। केंद्र एवं राज्य सरकार की उपलब्धियों, जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विकास कार्यों पर आधारित चार दिवसीय जिला स्तरीय प्रदर्शनी का शुभारंभ गुरुवार को सूचना केंद्र परिसर में जिले के प्रभारी मंत्री एवं सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने किया। इस अवसर पर झुंझुनू विधायक राजेंद्र भांबू, जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे। प्रदर्शनी में केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, नवाचारों, अभियानों तथा विकास कार्यों को फोटो पैनलों एवं प्रदर्श सामग्री के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है। प्रदर्शनी का उद्देश्य आमजन को सरकार की योजनाओं एवं उपलब्धियों से अवगत कराना है। प्रदर्शनी अवलोकन के दौरान प्रभारी मंत्री ने राजीविका के तहत संचालित कस्टम हायरिंग सेंटर सीएचसी के लिए तीन ट्रैक्टरों की सुपुर्दगी भी की। इन ट्रैक्टरों एवं कृषि उपकरणों के माध्यम से किसान किराये पर आधुनिक कृषि संसाधनों का उपयोग कर सकेंगे, जिससे कृषि कार्यों में सुविधा एवं उत्पादकता बढ़ेगी।

प्रेस वार्ता में गिनाईं सरकार की उपलब्धियां

प्रदर्शनी के उद्घाटन के पश्चात प्रभारी मंत्री ने सूचना केंद्र सभागार में मीडिया प्रतिनिधियों से संवाद किया तथा केंद्र एवं राज्य सरकार की उपलब्धियों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में देश एवं प्रदेशभर में विभिन्न कार्यक्रमों एवं जनसंपर्क गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के विकास, सुशासन एवं जनकल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए हैं तथा सर्वाधिक अवधि तक प्रधानमंत्री पद पर रहने का गौरव भी प्राप्त किया है। उन्होंने राजस्थान की विभिन्न उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए बताया कि अनेक क्षेत्रों में प्रदेश ने राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी स्थान प्राप्त किया है। प्रभारी मंत्री ने कहा कि बीते 12 वर्ष देश के लिए विश्वास, विकास और जनकल्याण के वर्ष साबित हुए हैं। उन्होंने झुंझुनू जिले में चल रहे विकास कार्यों की जानकारी देते हुए कहा कि शीघ्र ही जिलेवासियों को कई महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं की सौगात मिलेगी। साथ ही उन्होंने 12 जून से प्रारंभ होने वाले ग्रामीण एवं शहरी सेवा शिविरों को आमजन के लिए अत्यंत लाभकारी बताते हुए अधिकाधिक सहभागिता का आह्वान किया। इस अवसर पर झुंझुनू विधायक राजेंद्र भांबू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 12 वर्ष जनता को समर्पित रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों से राजस्थान में ऐतिहासिक विकास कार्य हुए हैं तथा प्रदेश आज विकास के मार्ग पर अग्रणी राज्यों में शामिल है। कार्यक्रम में पूर्व सांसद नरेंद्र कुमार, विशंभर पूनिया, बनवारी लाल सैनी, प्यारेलाल ढूकिया, मुरारी सैनी, सरजीत चौधरी, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी परशुराम धानका, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रामनिवास चौधरी, जिला जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु सिंह, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक डॉ पवन पूनिया, कृषि विस्तार विभाग के संयुक्त निदेशक राजेंद्र लांबा सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। जिला जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु सिंह ने बताया कि प्रदर्शनी रविवार तक आमजन के लिए नि:शुल्क अवलोकन हेतु खुली रहेगी।

केक, संस्कृति और संघर्ष : झुंझुनू का अनोखा रेल आंदोलन

रेलमंत्री के जन्मदिन पर जंक्शन की मांग को देंगे नई धार, खून से लिखकर भेजेंगे पत्र

संजय सोनी

झुंझुनू (नवयत्न)। शेखावाटी रेल विकास संघर्ष समिति द्वारा संचालित झुंझुनूं मांगे रेलवे जंक्शन जन संघर्ष अभियान अब एक अनोखे अंदाज में नया मोड़ लेने जा रहा है। इसी कड़ी में आगामी 18 जुलाई को अपराह्न 3 बजे झुंझुनू रेलवे स्टेशन पर भारत सरकार के रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव का 56वां जन्मदिन धूमधाम से मनाया जाएगा। समिति अध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल ने बताया कि यह आयोजन केवल जन्मदिन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसके माध्यम से झुंझुनू को रेलवे जंक्शन बनाने की मांग को और अधिक मजबूती दी जाएगी। कार्यक्रम में रेलमंत्री को विशेष रूप से आमंत्रित किया जाएगा। साथ ही उत्तर पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक, डीआरएमए जिला कलेक्टर, सांसद एवं स्थानीय विधायक सहित शहर के गणमान्य नागरिकों को भी आमंत्रण भेजा जाएगा। समिति द्वारा रेलमंत्री को झुंझुनू आमंत्रित करने के लिए त्रि-स्तरीय निमंत्रण प्रक्रिया अपनाई जाएगी, जिसमें तीसरा निमंत्रण पत्र खून से लिखकर भेजने की भी तैयारी की जा रही हैए जिससे आंदोलन की गंभीरता को दर्शाया जा सके। कार्यक्रम के तहत रेलवे स्टेशन को फूलों और गुब्बारों से सजाया जाएगा तथा 21 किलोग्राम का विशेष केक तैयार करवाया जाएगा। गाजे-बाजे की मधुर धुन के बीच केक काटा जाएगा और इसके बाद रेल यात्रियों को मिठाई वितरित की जाएगी। समिति के महासचिव डॉ. मनोज सिंह ने बताया कि समारोह को आकर्षक बनाने के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। समिति के सांस्कृतिक मंडल के नेतृत्व में बाल कलाकारों द्वारा रंगारंग प्रस्तुतियां दी जाएंगी तथा रेलमंत्री का राजस्थानी परंपरा के अनुसार अभिनंदन किया जाएगा। संरक्षक मंडल प्रमुख गणेश कुमार हलवाई ने बताया कि कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए समिति के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी जा रही हैं और जल्द ही एक बैठक आयोजित कर तैयारियों को अंतिम रूप दिया जाएगा।

समिति अध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल ने बताया कि पूर्व में मीटर गेज से ब्रॉड गेज परिवर्तन की मांग को लेकर तत्कालीन रेलमंत्री लालू प्रसाद यादव का जन्मदिन भी झुंझुनू रेलवे स्टेशन पर मनाया गया था, जिसके बाद क्षेत्र को ब्रॉड गेज का लाभ मिला। इसी क्रम में अब रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव का जन्मदिन भी ऐतिहासिक रूप से मनाकर झुंझुनू को रेलवे जंक्शन बनाने की मांग को और अधिक मजबूती दी जाएगी।

तीन माह से वेतन के इंतजार में नगरपालिका कार्यालय कर्मचारी, आर्थिक संकट गहराया

निसं

नोखा (नवयत्न)। नगरपालिका के कार्यालय कर्मचारियों को पिछले तीन माह से वेतन नहीं मिलने के कारण उनके सामने गंभीर आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। जानकारी के अनुसार, नगरपालिका में कार्यरत लगभग 20 कार्यालय कर्मचारी पिछले तीन महीने से वेतन का इंतजार कर रहे हैं, जबकि करीब 225 सफाई कर्मचारियों को हर माह नियमित रूप से वेतन का भुगतान किया जा रहा है। कार्यालय कर्मचारियों का कहना है कि वेतन नहीं मिलने से परिवार का खर्च चलाना भी मुश्किल हो गया है। बच्चों की पढ़ाई, घरेलू आवश्यकताओं और दैनिक खर्चों की व्यवस्था करना उनके लिए चुनौती बन गया है।

ईएमआई और बैंक किस्तों का संकट

कर्मचारियों ने बताया कि वेतन नहीं आने के कारण बैंकों से लिए गए ऋणों की मासिक ईएमआई समय पर जमा नहीं हो पा रही है। इसके चलते बैंक लगातार फोन कर रहे हैं और नोटिस भेज रहे हैं। साथ ही समय पर भुगतान नहीं होने से कर्मचारियों का क्रेडिट स्कोर सिबिल स्कोर भी प्रभावित हो रहा है, जिससे भविष्य में ऋण प्राप्त करने में परेशानी हो सकती है।

एलआईसी पॉलिसियां भी हो रहीं प्रभावित

वेतन से कटने वाली एलआईसी प्रीमियम की किस्तें भी पिछले तीन माह से जमा नहीं हो पा रही हैं। इससे कर्मचारियों और उनके परिवारों का जोखिम कवर प्रभावित होने की आशंका बनी हुई है। कर्मचारियों का कहना है कि यदि किसी अप्रिय घटना की स्थिति बनती है तो परिवार आर्थिक सुरक्षा से वंचित हो सकता है।

प्रशासनिक व्यवस्था पर उठ रहे सवाल

वर्तमान में नगरपालिका में प्रशासक के रूप में उपखंड अधिकारी की व्यवस्था है, लेकिन उपखंड अधिकारी के स्थानांतरण के बाद तहसीलदार को प्रशासनिक शक्तियां सौंपी गई हैं। कर्मचारियों का मानना है कि प्रशासनिक स्तर पर समय रहते निर्णय नहीं होने के कारण कार्यालय कर्मचारियों का वेतन भुगतान अटका हुआ है।

सफाई कर्मचारियों का भुगतान नियमित

सूत्रों के अनुसार, नगरपालिका को प्रतिमाह लगभग 1 करोड़ 60 लाख रुपये वेतन मद में खर्च करने पड़ते हैं। इनमें से करीब 1 करोड़ 25 लाख रुपये सफाई कर्मचारियों के वेतन के रूप में नियमित भुगतान किए जा रहे हैं, जबकि कार्यालय कर्मचारियों के वेतन भुगतान में लगातार देरी हो रही है।

कर्मचारियों की मांग

कार्यालय कर्मचारियों ने प्रशासन से मांग की है कि लंबित तीन माह का वेतन शीघ्र जारी किया जाए, ताकि वे अपने परिवार का भरण-पोषण कर सकें और बैंक ऋण, एलआईसी प्रीमियम सहित अन्य वित्तीय दायित्वों का समय पर निर्वहन कर सकें। कर्मचारियों का कहना है कि वे नियमित रूप से अपनी सेवाएं दे रहे हैं, ऐसे में समय पर वेतन मिलना उनका अधिकार है।

सोशल मीडिया पर सेलिब्रिटीज के नकली वीडियो बनाकर निवेश का झांसा दे रहे साइबर ठगी

निसं

जयपुर (नवयत्न)। कृत्रिम बुद्धिमत्ता एआई और डीपफेक तकनीक के बढ़ते दुरुपयोग के बीच साइबर अपराधी अब निवेश के नाम पर लोगों को करोड़ों रुपये की चपत लगा रहे हैं। राजस्थान पुलिस की साइबर क्राइम शाखा ने आमजन को सतर्क करते हुए चेतावनी जारी की है कि फर्जी स्टॉक मार्केट निवेश ऐप्स, डीपफेक वीडियो और सोशल मीडिया विज्ञापनों के जरिए बड़े पैमाने पर साइबर ठगी की जा रही है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक पुलिस साइबर क्राइम वी.के. सिंह ने बताया कि साइबर अपराधी प्रसिद्ध निवेशकों, उद्योगपतियों और सेलिब्रिटीज के डीपफेक तकनीक से तैयार किए गए नकली वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर प्रसारित कर रहे हैं। इन वीडियो में कम समय में अधिक मुनाफ कमाने का दावा किया जाता है और लोगों को विशेष निवेश ऐप या ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म से जुड़ने के लिए प्रेरित किया जाता है। सिंह ने बताया कि साइबर ठग फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब और टेलीग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर आकर्षक विज्ञापन चलाते हैं। विज्ञापन पर क्लिक करते ही व्यक्ति को एलीट इन्वेस्टमेंट ग्रुप या सुपर ट्रेडिंग क्लब जैसे नामों वाले व्हाट्सएप अथवा टेलीग्राम ग्रुप में जोड़ लिया जाता है। इन ग्रुपों में शामिल अधिकांश सदस्य वास्तव में साइबर अपराधियों द्वारा संचालित फर्जी अकाउंट या बॉट्स होते हैं, जो लाखों रुपये के मुनाफे के नकली स्क्रीनशॉट और सफलता की झूठी कहानियां साझा कर लोगों का विश्वास जीतते हैं। इसके बाद निवेशकों को किसी लिंक या एपीके फाइल के माध्यम से फर्जी ट्रेडिंग ऐप डाउनलोड कराया जाता है। शुरुआत में निवेश की गई राशि और कथित मुनाफा ऐप के डैशबोर्ड पर दिखाई देता है, जिससे निवेशक को विश्वास हो जाता है कि उसका पैसा बढ़ रहा है। लेकिन जब वह राशि निकालने का प्रयास करता है, तब टैक्सए कमीशन, प्रोसेसिंग फीस या अन्य शुल्क के नाम पर अतिरिक्त रकम जमा कराने के लिए कहा जाता है। अंततः साइबर ठग निवेशक का पैसा हड़प कर गायब हो जाते हैं। राजस्थान पुलिस ने लोगों से निवेश संबंधी किसी भी ऑनलाइन प्रस्ताव को स्वीकार करने से पहले पूरी जांच-पड़ताल करने की अपील की है। पुलिस के अनुसार केवल गूगल प्ले स्टोर या एप्पल ऐप स्टोर से ही मोबाइल ऐप डाउनलोड करें। किसी भी एपीके फइल या अनजान लिंक के माध्यम से ऐप इंस्टॉल न करें। निवेश करने से पहले संबंधित कंपनी का सेबी पंजीकरण अवश्य जांचें। किसी निजी व्यक्ति या अनजान बैंक खाते में धनराशि ट्रांसफर करने से बचें। व्हाट्सएप और टेलीग्राम की ग्रुप प्राइवेसी सेटिंग ष्माय कॉन्टैक्ट्स पर रखें। किसी भी निवेश योजना पर भरोसा करने से पहले स्वतंत्र रूप से उसकी पुष्टि अवश्य करें।

ऑनलाइन फास्टैग रिचार्ज के दौरान किसान के खाते से निकले 5 लाख से अधिक रुपए

निसं

जयपुर (नवयत्न)। राजधानी जयपुर के करणी विहार थाना क्षेत्र में एक किसान के बैंक खाते से 5.07 लाख रुपए की साइबर ठगी का मामला सामने आया है। पीडित किसान का आरोप है कि फास्टैग रिचार्ज के दौरान ऑनलाइन प्रक्रिया में खुले विभिन्न ऑप्शनों की जानकारी भरने के बाद साइबर अपराधियों ने बैंक खाते में सेंध लगाकर लाखों रुपए निकाल लिए। पीड़ित की शिकायत पर करणी विहार थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच पड़ताल में जुटी है। जांच अधिकारी एसआई बृजेश यादव ने बताया कि करणी विहार क्षेत्र के मीनावाला निवासी 52 वर्षीय किसान ने साइबर फ्रॉड की रिपोर्ट दर्ज करवाई है कि वह खेती-बाड़ी का कार्य करता है और पांच जून को किसान का बेटा एक ऑनलाइन पेमेंट ऐप के माध्यम से फास्टैग रिचार्ज कर रहा था। रिचार्ज प्रक्रिया के दौरान लगातार कई ऑप्शन और सवाल सामने आते गए। जिन्हें भरते हुए आगे बढ़ा गया। काफी समय तक प्रक्रिया जारी रहने और बार-बार नए ऑप्शन खुलने पर रिचार्ज की प्रक्रिया बीच में ही बंद कर दी गई। पीड़ित का आरोप है कि इसी दौरान साइबर अपराधियों ने ऑनलाइन सिस्टम का दुरुपयोग कर बैंक खाते तक पहुंच बना ली और खाते से 5 लाख 7 हजार रुपए निकाल लिए। मोबाइल पर बैंक ट्रांजेक्शन के संदेश मिलने के बाद परिवार को ठगी का पता चला। इसके बाद पीड़ित ने थाने पहुंचकर साइबर फ्रॉड की शिकायत दर्ज करवाई। पुलिस मामले की जांच कर रही है तथा साइबर अपराधियों का पता लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि ऑनलाइन भुगतान या फास्टैग रिचार्ज के दौरान किसी भी संदिग्ध लिंक, अनजान ऑप्शन या एप्लीकेशन पर व्यक्तिगत व बैंकिंग जानकारी साझा न करें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत साइबर हेल्पलाइन या नजदीकी थाने में सूचना दें।

प्रदीप शेखावत करेंगे फिल्म डायरेक्शन टीम के साथ काम

निसं

दांतारामगढ़ (नवयत्न)। श्याम बाबा पर बनने वाली फिल्म हारे का सहारा की कास्टिंग शुरू हो चुकी है जिसमें स्थानीय कलाकारों को मौका दिया जाएगा। फिल्म की शूटिंग जुलाई में शुरू की जाएगी तथा सीकर के कई गांव व शहरों में टीम द्वारा फिल्म को फिल्माया जाएगा। इस फिल्म के मुख्य डायरेक्टर जयसिंह राजपुरोहित व निर्माता सत्यनारायण शर्मा हैं।

राजस्थान पुलिस का ट्रैफिक महाअभियान : काली फिल्म, फर्जी नंबर प्लेट और अवैध हूटर-बत्तियों पर चला कानून का डंडा

निसं

जयपुर (नवयत्न)। पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा के निर्देशानुसार राजस्थान पुलिस द्वारा प्रदेशभर में चलाए जा रहे विशेष यातायात प्रवर्तन अभियान ने अब और अधिक गति पकड़ ली है। यातायात नियमों की अनदेखी करने वालों, वाहनों में अवैध मॉडिफिकेशन कराने वालों तथा हूटर-बत्ती और काली फिल्म लगाकर रौब गांठने वालों के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। अभियान के दसवें दिन प्रदेशभर में विशेष नाकेबंदी एवं प्रवर्तन अभियान के तहत कुल 9,703 वाहनों के विरुद्ध चालान, जब्ती एवं अन्य विधिक कार्रवाई की गई।

डीजी ट्रैफिक अनिल पालीवाल के पर्यवेक्षण में चल रहे इस अभियान के संबंध में अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस यातायात डॉ. बी. एल. मीणा ने बताया कि दसवें दिन की कार्रवाई में सर्वाधिक 3,638 वाहनों के शीशों पर नियम विरुद्ध लगाई गई काली फिल्म ब्लैक फिल्म के मामलों में कार्रवाई की गई। इसके अलावा 2,450 वाहनों पर नियम विरुद्ध नंबर प्लेट एवं पंजीयन चिन्ह पाए गए, जबकि 1,373 वाहनों पर अनाधिकृत शब्द, चिन्ह एवं लेखन अंकित होने के कारण उनके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान वाहन की मूल संरचना बॉडी/चेसिस में अवैध परिवर्तन करने वाले 945 वाहनों को भी चिन्हित कर कार्रवाई की गई। इसी प्रकार 800 वाहनों पर अनाधिकृत लाल-नीली बत्ती, फ्लैशर, स्ट्रोब लाइट एवं हूटर लगे पाए गए, जबकि 497 वाहनों में प्रेशर हॉर्न एवं एयर हॉर्न का उपयोग करने पर चालान एवं अन्य विधिक कार्यवाही अमल में लाई गई। पुलिस अधिकारियों के अनुसार बड़ी संख्या में वाहन चालक अब भी सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों की अवहेलना करते हुए वाहनों के शीशों पर काली फिल्म लगा रहे हैं। ऐसे 3,638 वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की गई। वहीं 2,450 वाहनों पर नियम विरुद्ध नंबर प्लेट अथवा पंजीयन चिन्ह पाए जाने पर भी चालान और अन्य कानूनी कार्रवाई की गई। पुलिस ने आमजन में भय और प्रभाव पैदा करने के उद्देश्य से वाहनों पर लगाई गई अनाधिकृत लाल-नीली बत्ती, फ्लैशर, स्ट्रोब लाइट और हूटर के खिलाफ भी विशेष अभियान चलाया, जिसके तहत 800 वाहनों पर कार्रवाई की गई। ध्वनि प्रदूषण फैलाने वाले 497 प्रेशर हॉर्न और एयर हॉर्न भी जब्त किए गए। डॉ. बी. एल. मीणा ने कहा कि वाहन पर जाति, पद, संगठन अथवा अन्य अनाधिकृत शब्द लिखना, अवैध हूटर.बत्ती लगाना, नियम विरुद्ध नंबर प्लेट का उपयोग करना तथा काली फिल्म लगाकर वाहन चलाना कानून का स्पष्ट उल्लंघन है। ऐसे मामलों में किसी भी प्रकार की ढिलाई नहीं बरती जाएगी। उन्होंने कहा कि राजस्थान पुलिस का यह विशेष अभियान आगामी दिनों में और अधिक सख्ती के साथ जारी रहेगा तथा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कठोर विधिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

पक्षियों के लिए लगाए परिंडे, जल संरक्षण और जीवों के प्रति संवेदनशीलता का दिया संदेश

निसं

तारानगर (नवयत्न)। भीषण गर्मी के मौसम में पक्षियों को पेयजल उपलब्ध कराने एवं जीवों के प्रति संवेदनशीलता का संदेश देने के उद्देश्य से ग्राम बुचावास स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में पक्षियों के लिए परिंडे लगाए गए। विद्यालय परिसर में विभिन्न स्थानों पर परिंडे स्थापित किए गए, ताकि गर्मी के दिनों में पक्षियों को आसानी से पानी उपलब्ध हो सके। साथ ही पक्षियों के लिए पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था बनाए रखने हेतु खंडवा गांव में निर्मित प्रसिद्ध मिट्टी के घड़े भी रखवा, गए। शिक्षकों ने विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण तथा जीव-जंतुओं के प्रति दया और संवेदनशीलता बनाए रखने का संदेश दिया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार के सदस्यों ने कहा कि बढ़ती गर्मी के कारण पक्षियों को पानी की समस्या का सामना करना पड़ता है। ऐसे में प्रत्येक व्यक्ति को अपने घर, विद्यालय एवं सार्वजनिक स्थानों पर परिंडे लगाकर पक्षियों की सहायता करनी चाहिए। कार्यक्रम में विद्यालय के उप प्रधानाचार्य खिराज सिंह भाकर, व्याख्याता मोहनलाल शर्मा, पंकज शर्मा, खुशहाल शर्मा, रक्षा शर्मा, बालदास स्वामी, संदीप भार्गव सहित विद्यालय के शिक्षक एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने नियमित रूप से परिंडों में पानी भरने तथा पक्षियों के संरक्षण के लिए जनजागरूकता फैलाने का संकल्प लिया।

बेसमेंट की खुदाई में मिट्टी ढहने से तीन महिला श्रमिकों की मौत

निसं

जयपुर (नवयत्न)। शहर के करणी विहार थाना क्षेत्र में गांधी पथ स्थित एक निर्माणाधीन बहुमंजिला इमारत में गुरुवार शाम दर्दनाक हादसा हो गया। जहां बेसमेंट की खुदाई के दौरान अचानक मिट्टी का बड़ा हिस्सा भरभराकर ढह गया, जिससे वहां काम कर रही तीन महिला श्रमिक मलबे के नीचे दब गईं। गंभीर रूप से घायल महिलाओं को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। थानाधिकारी हवा सिंह ने बताया कि यह हादसा गुरुवार शाम करीब 4 बजे हुआ। निर्माणाधीन भवन के बेसमेंट की गहरी खुदाई का कार्य चल रहा था। इसी दौरान नीचे मिट्टी समतल करने और खुदाई कार्य में लगी तीन महिला मजदूरों के ऊपर ऊपरी हिस्से की कटी हुई मिट्टी का बड़ा ढेर अचानक गिर पड़ा। महिलाओं को संभलने या बाहर निकलने का मौका तक नहीं मिला और वे मलबे में दब गईं। हादसे के बाद निर्माण स्थल पर अफरा-तफरी मच गई। मौके पर मौजूद अन्य मजदूरों और स्थानीय लोगों ने तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। फावड़ों और हाथों की मदद से मलबा हटाकर तीनों महिलाओं को बाहर निकाला गया। सूचना मिलते ही करणी विहार और वैशाली नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची तथा घायलों को तत्काल सवाई मानसिंह अस्पताल भिजवाया गया। थानाधिकारी हवा सिंह ने बताया कि अस्पताल में चिकित्सकों ने तीनों महिलाओं को बचाने के लिए सीपीआर सहित सभी आवश्यक चिकित्सा प्रयास किए, लेकिन उनकी हालत अत्यंत गंभीर होने के कारण उन्हें नहीं बचाया जा सका। डॉक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। थानाधिकारी ने बताया कि मृतकों की पहचान बिहार निवासी सुनीता देवी, आनुती कुमारी और प्रतिमा कुमारी के रूप में हुई है। तीनों महिलाएं मजदूरी कर अपने परिवार का भरण.पोषण करती थीं और निर्माण स्थल पर कार्यरत थीं। हादसे के बाद निर्माण स्थल पर सुरक्षा मानकों को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। पुलिस यह जांच कर रही है कि बेसमेंट की गहरी खुदाई के दौरान आवश्यक सुरक्षा इंतजाम किए गए थे या नहीं। मिट्टी को रोकने के लिए शटरिंग अथवा अन्य सुरक्षात्मक व्यवस्था थी या नहीं, इसकी भी पड़ताल की जा रही है। पुलिस ने निर्माण कार्य से जुड़े ठेकेदार, साइट इंचार्ज और अन्य जिम्मेदार लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि मजदूरों को आवश्यक सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराए गए थे या नहीं। मामले में निर्माण स्थल पर सुरक्षा मानकों की संभावित अनदेखी को लेकर कानूनी जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखवाया है तथा मृतक महिलाओं के परिजनों को सूचना दे दी गई है। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गौ सेवा की मिसाल बना सांवरिया गौ भक्त मंडल हजारों बेजुबानो को दिया नया जीवन

निसं

रतनगढ़ (नवयत्न)। रतनगढ़ शहर में युवाओं द्वारा पिंजरा पोल गौशाला चूरू मार्ग पर सांवरिया गौ भक्त मंडल पिछले 15 वर्षों से बेसहारा, बीमार, अंधी, लूली एलंगड़ी गौवंश के लिए जीवन रक्षक बनकर उभरा है। वर्षों से प्रतिदिन प्रात:काल होते ही मंडल के सदस्य गौ शाला आकर अपना अपना कार्य भार संभालकर गौ सेवा शुरू करते है।

लम्पी महामारी के दौरान मंडल के सदस्यों ने सैकड़ो ही नहीं, बल्कि हजारों गोवंशों को नया जीवन प्रदान किया था। यह मंडल गौमाता की नि:स्वार्थ सेवा की प्रेरणादायक मिसाल बनकर नगर में उभरा है। इस गौ भक्त मंडल के युवाओं ने पिंजरापोल गौशाला में नगर के भामाशाहों द्वारा आर्थिक सहयोग लेकर गौ माताओ के लिए लगभग 60 लाख रुपए की लागत से दो लंबे चौड़े टीन शेड और चारों तरफ दीवार, चारे की खेल गौ माताओं को छाया और आराम से चाराचर सके बनाया है। मंडल ने शहर की वीर हनुमान गौशाला में लगभग 7 से 8 लाख रुपए की लागत से वहां भी टीन शेड व अन्य निर्माण कार्य कराये है । नगर के पश्चिम की तरफ परमहंसों की समाधियों के पास भी चारे पानी की बड़ी खेल बना कर दी है । इसी क्रम में शिवधोरा स्थल पर भी गौ माता के लिए चारा पानी की एक बड़ी खेल बना कर दी है। जिससे गौ माता आसानी से चारा चर रही है। मंडल की खास बात यह है कि मंडल के अधिकांश सदस्य व्यापारी, युवा और नौकरीपेशा है । लेकिन प्रात: अपना समय प्रबंधन कर नियमित रूप से वर्षों से सेवा करते आ रहे है। यह संस्थान मात्र एक सौ रुपए अनुदान से शुरू हुआ था। उस समय आर्थिक बड़ी चुनौती थी। लेकिन युवाओं की लगन सेवा कार्यों को देखकर अब भामाशाह और नगर निवासी पूरा सहयोग करने लगे हैं । शहर में आवारा घूमते शहर के बाहर दूर-दूर तक असहाय भटकते गोवंशों को भी मंडल चारा पानी की प्रति दिवस व्यवस्था करता है। यहां केवल गोवंश ही नहीं बल्कि अन्य बेजुबान पक्षियों को भी प्रतिदिन दाने में ज्वार डाली जाती है। गौ भक्त मंडल के ललित चौधरी, रामगोपाल चौधरी, महेश सांगानेरिया, संजय चौधरी, अशोक चौधरी, रौनक बाजोरिया, बाबूभाई सिंधी, कैलाश, प्रकाश, चंद्रप्रकाश, विकाश, योगेंद्र चौधरी, सचिन व जतिन चौधरी सहित अनेकों सदस्य इस सेवा कार्य में लगे हुए हैं।

कांग्रेस नेता राजेश पायलट की पुण्यतिथि मनाई

निसं

रींगस (नवयत्न)। कांग्रेस के कदावर नेता रहे स्व. राजेश पायलट की गुरुवार को भैरूजी धाम रींगस में पुण्यतिथि मनाई। इस दौरान उनकी प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित्त कर पुष्प अर्पित किये गये। वक्ताओ ने उनके जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमें आज उनके आदर्शों का पालन करना चाहिए। इस दौरान भैरूजी मंदिर कमेटी अध्यक्ष सुवा लाल गुर्जरमामराज गुर्जर फुलचन्द्र गुर्जर ने कहा कि स्वं राजेश पायलट सभी कोमो को साथ लेकर चलने वाले सच्चे किसान नेता थे। उन्होने आमजन के उत्थान के लिए अपना जीवन अर्पित किया। इस दौरान गिरधारी लाल, श्रवण कुमार, फुलचन्द्र, अशोक गुर्जर विनोद गुर्जर महावीर गुर्जर, शंकर गुर्जर, सुरज्ञान धाबाई सहित अनेक लोग मौजूद थे।

सेना में चयनित कैडेट्स का किया सम्मान

सुजानगढ़ (नवयत्न)। स्थानीय जी एच एस राजकीय महाविद्यालय में भारतीय सेना में चयनित एनसीसी कैडेट्स का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। धर्मेंद्र टांडी, ओमप्रकाश, बलराम सिहाग, विक्रम स्वामी, अशोक कालवा, गोविंद सिंह, बनवारी, दिनेश टांडी, विशाल सिंह, दीपेंद्र, ओमप्रकाश कस्वां, भारत सिंह, कुलदीप सिंह तथा, प्रकाश पिलानिया का माल्यार्पण कर अभिनंदन किया गया। प्राचार्य विनीता चौधरी ने अपने उद्बोधन में कहा कि सफलता अनुशासन, समर्पण एवं कठोर परिश्रम का परिणाम है। इस अवसर पर एनसीसी अधिकारी डॉ योगेश कुमार कल्ला, धन्नाराम जानू, रामनिवास मेघवाल, प्रमोद कुमार आदि मौजूद रहे।

नो-एंट्री में दौड़ रहे भारी वाहनों पर जयपुर पुलिस का हंटर : 17 डंपर-मिक्सर और ट्रक जब्त

निसं

जयपुर (नवयत्न)। राजधानी में यातायात व्यवस्था को सुचारू और सुरक्षित बनाने के लिए जयपुर पुलिस कमिश्नरेट ने नो-एंट्री क्षेत्र में नियमों का उल्लंघन करने वाले भारी वाहनों के खिलाफ सख्त अभियान चलाया। यातायात पुलिस ने विशेष प्रवर्तन कार्रवाई के दौरान 17 भारी वाहनों को जब्त कर लिया। इनमें सीमेंट-कंक्रीट मिक्सर, डंपर, ट्रोला और ट्रक शामिल हैं। पुलिस उपायुक्त यातायात योगेश गोयल ने बताया कि पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल के निर्देशानुसार यातायात नियमों की अवहेलना करने वाले वाहन चालकों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। इसी क्रम में पुलिस निरीक्षक यातायात पूर्व राज किरण के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने एनआरआई चौराहा, जवाहर सर्किल और हनुमान तिराहा क्षेत्र में व्यापक चेकिंग अभियान चलाया। इस अभियान के दौरान निषेध क्षेत्र नो-एंट्री में अवैध रूप से संचालित हो रहे भारी वाहनों को रोका गया। जांच में पाया गया कि कई वाहन चालक निर्धारित मार्ग और समय सीमा की अनदेखी करते हुए शहर के व्यस्त मार्गों पर वाहन चला रहे थे। यातायात पुलिस द्वारा जब्त किए गए वाहनों में 10 सीमेंट-कंक्रीट मिक्सर, 3 डंपर, 2 ट्रोला और 2 ट्रक शामिल हैं। पुलिस के अनुसार इन वाहनों द्वारा लगातार नो-एंट्री नियमों का उल्लंघन किया जा रहा था। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि जब्त किए गए कई वाहनों पर पूर्व में किए गए यातायात उल्लंघनों के चालान भी लंबित थे। बार-बार नियमों की अवहेलना और लापरवाही पूर्ण तरीके से वाहन संचालन को देखते हुए पुलिस ने वाहनों को सीज करने की कार्रवाई की। डीसीपी ट्रैफिक योगेश गोयल ने कहा कि जयपुर कमिश्नरेट द्वारा भारी वाहनों के आवागमन के लिए निर्धारित मार्ग और समय सीमा तय की गई है।

इसका उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ आगे भी कठोर कार्रवाई जारी रहेगी। यातायात पुलिस ऐसे वाहन चालकों पर लगातार निगरानी रख रही है ताकि शहर में यातायात व्यवस्था बेहतर बनी रहे और सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सके।

संतों ने किया 40 मिनट गौ-संकीर्तन

ग्रीष्म ऋतु में ठंडी तासीर के फलों से हुई गौ-सेवा

निसं

जयपुर (नवयत्न)। हिन्द सिंध के महान संत युगपुरुष आचार्य स्वामी टेऊँराम महाराज के पावन चालीहा महोत्सव के उपलक्ष्य में गुरुवार को मांग्यावास स्थित सद्गुरु टेऊँराम गौशाला में एकादशी के पवित्र अवसर पर भव्य धार्मिक एवं सेवा कार्यों का आयोजन किया गया। इस दौरान संतों और श्रद्धालुओं ने भक्ति के साथ-साथ सेवा के संकल्प को धरातल पर उतारा। महोत्सव के अंतर्गत गुरुवार को प्रात: 6 बजे वैदिक रीति.रिवाज से 40 मिनट का विशेष हवन-यज्ञ अनुष्ठान आयोजित किया गया। इसके बाद नित.नियम के तहत सामूहिक चालीसा पाठ हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इसके साथ ही गौशाला परिसर में संतों और भक्तों द्वारा 40 मिनट तक अनवरत संकीर्तन कर संपूर्ण वातावरण को भक्तिमय कर दिया गया। वर्तमान में ग्रीष्म ऋतु गर्मी की तीव्र लहर को देखते हुए गौशाला में मौजूद गौ-माताओं के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखा गया। गर्मी से राहत दिलाने के लिए गऊ माता को ठंडी तासीर वाले मौसमी फल जैसे तरबूज, खरबूजे और आम खिलाए गए। इसके अतिरिक्त, अन्न भोजन प्रसादम कार्यक्रम के तहत वहां से गुजरने वाले राहगीरों को गर्मी से बचाव के लिए ठंडी मिल्क रोज शर्बत का वितरण किया गया। स्वामी मोहन लाल महाराज ने बताया कि इस चालीहा उत्सव में भक्ति के साथ-साथ सामाजिक सेवा के संकल्प को पूरी तरह साकार किया जा रहा है। इसी सेवा श्रृंखला के अंतर्गत आगामी दिनों में अनाथालयों और कुष्ठ आश्रमों में भी भोजन व अल्पाहार की सेवा पहुँचाई जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि सद्गुरु टेऊँराम महाराज का 5 दिवसीय 84वां वरसी उत्सव आगामी 16 जून से 20 जून तक पूर्ण श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ आयोजित किया जाएगा।

बैजनाथ महाराज के ब्रम्हलीन होने पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित

निसं

मुकुंदगढ़ (नवयत्न)। मुकुंदगढ़ के राममंदिर मे श्रद्धानाथ आश्रम के पीठाधीश्वर पद्मश्री बैजनाथ महाराज के ब्रम्हलीन होने पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित हुई। बैजनाथ महाराज के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। प्राचार्य राजाराम सुरोलिया एवं सुमन कुलहरि गढ़वाल सहित अन्य वक्ताओ ने महाराज के जीवन पर प्रकाश डाला। मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी अशोक शर्मा, निवर्तमान चेयरमैन मनीष चौधरी, वरिष्ठ अधिवक्ता अश्विनी महर्षि, व्यापार संघ अध्यक्ष पवन पचलंगिया, बनवारी लाल शर्मा, प्रमोद पचलंगिया, उमेश सहल, चंद्र पाल दूलर, गोविंद शर्मा, संतोष शर्मा, पंडित विजय शर्मा, रामस्वरूप जोशी, महेश पराशर, राजाराम सुरोलिया, बन्ने सिंह पारीक, सुरेश शर्मा, मुरारी शर्मा, सुभाष शर्मा, राजकुमार चेजारा, किशनलाल शर्मा, भवानी सैन, मुकेश सैनी शायरसिंह, प्रदीपसिंह, जयप्रकाश कुमावत सहित बड़ी संख्या मे सेवक एवं सर्व समाज के लोग उपस्थित रहे।

2108 किलो आमों की भव्य झांकी से सजा कृष्ण-बलराम दरबार

परमा एकादशी पर गुप्त वृन्दावन धाम में उमड़ा आस्था का सैलाब

निसं

जयपुर (नवयत्न)। परमा एकादशी के पावन अवसर पर जयपुर स्थित गुप्त वृन्दावन धाम में गुरुवार को भक्ति और श्रद्धा का अनूठा संगम देखने को मिला। मंदिर में भगवान श्री श्री कृष्ण-बलराम का विशेष श्रृंगार किया गया तथा उनके लिए 2108 किलो आमों से आकर्षक और भव्य बंगला झांकी सजाई गई। आमों से सजे इस दिव्य दरबार के दर्शन कर श्रद्धालु भाव.विभोर हो उठे। परमा एकादशी के अवसर पर सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु गुप्त वृन्दावन धाम पहुंचकर भगवान के दर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त करते रहे। मंदिर परिसर में दिनभर धार्मिक आयोजनों का सिलसिला चलता रहा और पूरा वातावरण भक्ति रस में डूबा नजर आया। विशेष अवसर पर बाल भक्त भागवत द्वारा हरिनाम संकीर्तन का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं के साथ-साथ बच्चों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। संकीर्तन की मधुर धुनों पर भक्त झूम उठे और पूरे परिसर में हरे कृष्ण महामंत्र की गूंज सुनाई दी। धाम में चल रहे 100 करोड़ नाम जप महाअभियान के तहत श्रद्धालुओं ने 64 माला जप संकल्प के साथ हरिनाम जप में भाग लिया। पूरे दिन भक्तों ने भक्ति साधना और नाम-स्मरण के माध्यम से आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव किया। गुप्त वृन्दावन धाम में पुरुषोत्तम मास के अवसर पर माहव्यापी पुरुषोत्तम मास कथा का आयोजन भी जारी है। यह कथा कृष्ण भावना केंद्र के संस्थापक ओमप्रकाश मोदी के सहयोग से आयोजित की जा रही है। कथा का समापन 15 जून को विशेष धार्मिक समारोह के साथ होगा। गुप्त वृन्दावन धाम के अध्यक्ष अमितासना दास ने बताया कि पुरुषोत्तम मास की एकादशी भक्ति साधना के लिए अत्यंत शुभ मानी जाती है। इस दिन की गई साधना और हरिनाम जप का पुण्य कई गुना बढ़ जाता है। उन्होंने श्रद्धालुओं से अधिकाधिक संख्या में हरिनाम जप कर आध्यात्मिक लाभ प्राप्त करने की अपील की। परमा एकादशी के अवसर पर आयोजित इन भव्य धार्मिक कार्यक्रमों ने श्रद्धालुओं को भक्तिए साधना और आध्यात्मिक चेतना से जोड़ने का कार्य किया। 2108 किलो आमों से सजी भगवान कृष्ण-बलराम की झांकी पूरे आयोजन का मुख्य आकर्षण रही।

नकली खाद-बीज पर कृषि मंत्री का बड़ा एक्शन :

कानोता के हीरावाला की फैक्ट्री पर मारा छापा

निसं

जयपुर (नवयत्न)। प्रदेश में नकली खाद और बीज के कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने गुरुवार को जयपुर के कानोता क्षेत्र स्थित हीरावाला रीको औद्योगिक क्षेत्र में संचालित जयपुर बायो फर्टिलाइजर्स इकाई पर औचक निरीक्षण कर बड़ी कार्रवाई की। मंत्री के अचानक पहुंचने से फैक्ट्री संचालकों और आसपास के औद्योगिक क्षेत्र में हड़कंप मच गया। निरीक्षण के दौरान जैविक उर्वरक निर्माण और भंडारण से जुड़ी कई गंभीर अनियमितताएं सामने आईं, जिसके बाद कृषि विभाग ने नमूने जब्त कर जांच शुरू कर दी है। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि जैविक उर्वरक का निर्माण निर्धारित तकनीकी मानकों के विपरीत किया जा रहा था। विशेषज्ञों के अनुसार जैविक खाद में मौजूद लाभकारी सूक्ष्मजीवों को सुरक्षित रखने के लिए निर्माण प्रक्रिया के दौरान तापमान लगभग 20 डिग्री सेल्सियस होना चाहिए, लेकिन फैक्ट्री में खाद 45 डिग्री सेल्सियस तापमान पर तैयार की जा रही थी। अधिकारियों के अनुसार इतने अधिक तापमान पर लाभकारी सूक्ष्मजीव नष्ट हो जाते हैं और उत्पाद की गुणवत्ता प्रभावित होती है। जांच में लेबलिंग से जुड़ा बड़ा फर्जीवाड़ा भी सामने आया। दानेदार जैविक उर्वरक की सामान्य शेल्फ लाइफ छह माह होती है, जबकि उत्पाद के पैकेटों पर 24 माह तक उपयोग योग्य होने का उल्लेख किया गया था। इसके अलावा कच्चे माल के भंडारण और रख-रखाव में भी गंभीर लापरवाही पाई गई। गोदाम में रखे कच्चे माल पर पहचान संबंधी आवश्यक लेबल नहीं लगे थे, जो उर्वरक नियंत्रण आदेश, 1985 की धारा 19 का उल्लंघन माना गया है। मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने स्वयं फैक्ट्री परिसर का निरीक्षण किया और कई सीलबंद कट्टों को खुलवाकर खाद की गुणवत्ता की जांच की। विभागीय अधिकारियों ने विभिन्न उत्पादों के नमूने लेकर परीक्षण के लिए सरकारी प्रयोगशाला भेज दिए हैं। साथ ही फैक्ट्री में बड़ी मात्रा में मौजूद खाद और बीज के स्टॉक की भी जांच की जा रही है। कृषि मंत्री ने कहा कि किसानों के हितों के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नकली खाद और घटिया बीज बेचने वालों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा तथा दोषियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि अन्नदाताओं की मेहनत की कमाई से धोखाधड़ी करने वालों को किसी भी सूरत में नहीं छोड़ा जाएगा। कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि प्रयोगशाला से जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। यदि नमूने अमानक या नकली पाए गए तो संबंधित फैक्ट्री संचालकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के साथ-साथ लाइसेंस निरस्त करने की कार्रवाई भी की जाएगी। उल्लेखनीय है कि डॉण् किरोड़ी लाल मीणा इससे पहले भी सीकर के रीको क्षेत्र स्थित श्री बालाजी एग्रो इंडस्ट्रीज, जोधपुर की विभिन्न खाद-बीज निर्माण इकाइयों तथा बोरानाडा स्थित बालाजी मूंगफली फैक्ट्री सहित कई प्रतिष्ठानों पर निरीक्षण और छापामार कार्रवाई कर चुके हैं। कृषि विभाग का कहना है कि प्रदेशभर में गुणवत्तापूर्ण खाद और बीज उपलब्ध कराने तथा नकली कृषि उत्पादों के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना शर्मा के लिए उदय प्रिंटर्स 43-ए, माली कॉलोनी, चांदपोल के बाहर जयपुर में मुद्रित व प्लॉट नं. 88, तहसील के पीछे दांतारामगढ़, सीकर (राज.) से प्रकाशित संपादक सपना शर्मा
मो. 9783931239 मुख्य कार्यालय-जी-4, मान नगर, नगर परिषद के सामने, झुंझुनू, 01592-297190

सम्पादकीय

ऑनलाइन धोखाधड़ी के बढ़ते नेटवर्क के पीछे संस्थागत लापरवाही और भीतर की मिलीभगत

बैंक के भीतर ही जब धोखाधड़ी का रास्ता बन जाए, तो साइबर अपराध पर अंकुश कैसे लगेगा? सुरक्षा एजेंसियों के तमाम दावों के बावजूद साइबर ठगी पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। अपराधी ऑनलाइन माध्यम से धोखाधड़ी के नए-नए तरीके ईजाद कर रहे हैं।

इस संजाल की जड़ें इतनी गहरी हैं कि अपराधियों तक पहुंचना जांच एजेंसियों के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है। ऐसे में अगर बैंक या किसी अन्य संबंधित महकमे के अधिकारी एवं कर्मचारी भी सांठगांठ में शामिल हों, तो मामला और पेचीदा हो जाता है।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के न्यू कोंडली इलाके में पुलिस ने ऐसे ही मामले में एक सहकारी बैंक के उप प्रबंधक को गिरफ्तार किया है। पुलिस का दावा है कि आरोपी कमीशन पर खाते खुलवाने और उनका संचालन करने में मदद करता था। साइबर अपराधी बैंक में किसी और के नाम से इस तरह के खाते खुलवाते हैं और फिर ठगी के जरिए उसमें आई रकम को दूसरे खाते में भेज देते हैं। सवाल है कि जब सरकारी तंत्र में शामिल कर्मी ही इस तरह की गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल हों, तो फिर अपराध पर अंकुश कैसे लग पाएगा?

गौरतलब है कि देश भर में साइबर ठगी के मामले साल दर साल बढ़ते जा रहे हैं। अपराधी वित्तीय धोखाधड़ी के लिए 'डिजिटल अरेस्ट' जैसे तरीकों का इस्तेमाल करते हैं, जिस पर सर्वोच्च न्यायालय भी गंभीर चिंता जाहिर कर चुका है। ताजा मामला भी तभी पकड़ में आया, जब राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर दर्ज शिकायतों की जांच का मिलान किया गया। दरअसल, देश के कई हिस्सों में दर्ज साइबर ठगी की 159 शिकायतों में यह खाता शामिल पाया गया, जिससे करीब 67 करोड़ रुपए का लेन-देन हुआ है।

इस साजिश से पता चलता है कि देश में ऑनलाइन धोखाधड़ी का संजाल कहां तक फैला हुआ है। जांच में सामने आया है कि जिसने यह खाता खुलवाया था, वह कभी उस बैंक की शाखा में गया ही नहीं। जाहिर है कि किसी बैंक कर्मी की मदद के बिना यह संभव नहीं है। मगर सवाल यह भी है कि इस खाते से जब करोड़ों रुपए का लेन-देन हो रहा था, तो दूसरे अधिकारियों ने इसकी जांच की जरूरत क्यों नहीं समझी? ऐसे में जरूरी है कि साइबर ठगी के मामलों में बैंक अधिकारियों की जवाबदेही भी तय की जाए।

विशेष आलेख

जब अदालतों में कानून की भाषा सरल होगी, तभी न्याय सचमुच जनता तक पहुंचेगा

कानून की भाषा और आम नागरिक के बीच की दूरी कम करने में कृत्रिम मेधा नई संभावनाएं खोल रही है। समाज में कानून को लेकर जो धारणा वर्षों से बनी हुई है, वह किसी को भी असहज कर देने वाली है। अदालतों की लंबी तारीखों और मोटी फाइलों से आम आदमी विचलित होता है। लोग अक्सर कहते भी हैं कि कानून के फेर में न पड़ो, वरना जिंदगी कोर्ट-कचहरी में निकल जाएगी। जब कोई नोटिस या कानूनी कागज घर पहुंचता है, तो सबके चेहरे पर तनाव की रेखाएं खिंच जाती हैं।

देश में न्याय और नागरिक के बीच सबसे ऊंची दीवार यदि कोई है, तो वह है कानून की जटिल भाषा। अदालतों में दायर याचिकाओं से लेकर बैंक-कर्ज के दस्तावेजों, करायेदार से संबंधित समझौतों और बीमा-पॉलिसी की शर्तों तक हर जगह ऐसी भाषा दिखाई देती है, जिसे पढ़ने मात्र से आम आदमी भ्रम में पड़ जाता है। न्याय व्यवस्था तकनीक और डिजिटलीकरण के साथ बदल रही है, लेकिन भाषा की जटिलता आज तक कम नहीं हुई है। कानून जनता के लिए बना है, लेकिन उसकी भाषा जनता से कोसों दूर है। ऐसे में कृत्रिम मेधा यानी एआई एक नए युग की शुरुआत कर रही है, जहां कानूनी शब्दावली और आम नागरिक के बीच की दूरी कम हो सकती है।

कानूनी भाषा के कठिन होने का एक बड़ा कारण उसकी सटीकता है। विधि-निर्माता इस बात की कोशिश करते हैं कि शब्दों का ऐसा इस्तेमाल हो, जिससे किसी अर्थ-भ्रम की संभावना न बचे। इसलिए लंबे वाक्य, जटिल उपवाक्य, विशिष्ट परिभाषाएं और बहुस्तरीय शर्तें दस्तावेजों का हिस्सा बनती हैं। मगर यही सटीकता आम आदमी को कानून की समझ से दूर कर देती है। वह समझना तो चाहता है, लेकिन शब्दों की दीवार उसे पीछे धकेल देती है।

कई नागरिक कभी-कभी अपने हस्ताक्षर किए हुए दस्तावेज भी पूरी तरह नहीं पढ़ते, क्योंकि वे यह मान लेते हैं कि वे इसे समझ ही नहीं पाएंगे। मौजूदा दौर में एआई अब वकीलों और उनके मुवक्किल के बीच एक सेतु बन रहा है। आज ऐसी तकनीक विकसित हो रही है, जो जटिल कानूनी दस्तावेजों को सरल भाषा में बदल सकती है। यह अनुवाद मात्र शब्दों का नहीं, अभिप्राय का होता है।

इस तरह के परिवर्तन से न सिर्फ जानकारी साफ होती है, बल्कि भय-भाव कम होता है, जो वर्षों से कानून के साथ जुड़ा रहा है। ऐसी ही स्थिति किरायेदारी-समझौते, बीमा-दावे, बैंक-कर्ज और सरकारी नोटिस में भी दिखाई देती है। जब किसी समझौते में लिखा होता है कि 'किरायेदार को संपत्ति को पूर्ववत स्थिति में लौटाना अनिवार्य होगा', तो बहुत-से लोग इसका वास्तविक अर्थ नहीं समझते।

यही वाक्य जब सीधे शब्दों में बदल कर आता है कि 'जगह जैसी मिली थी वैसे ही वापस करनी है', तो उसकी स्पष्टता ही उसका अधिकार बनती है। इस अंतर की वजह से तकनीक की आवश्यकता महसूस हुई, क्योंकि जानकारी तभी शक्ति बनती है, जब उसे समझा जा सके। कृत्रिम मेधा के माध्यम से कानूनी दस्तावेजों की व्याख्या, सार, सरल-भाषा और प्रश्न-उत्तर आधारित स्पष्टीकरण संभव होने लगे हैं। कई एआई आधारित मंच यह सुविधा दे रहे हैं कि नागरिक किसी दस्तावेज का अर्थ पूछे और वह आसान भाषा में मिल जाए।

नागरिक यदि पूछे 'क्या इस क्लॉज में मेरे लिए कोई जोखिम है?' तो एआई उत्तर दे सकती है- यदि आप नियम तोड़ते हैं, तो कंपनी आप पर जुर्माना लगा सकती है। यह परिवर्तन न केवल सुविधा है, बल्कि न्याय को जनता तक ले जाने का माध्यम है। डिजिटल युग ने प्रक्रियाओं को सरल किया है, भाषा को नहीं। अब ई-फाइलिंग से बहस तक ऑनलाइन हो रही है। दस्तावेज डिजिटल स्वरूप में उपलब्ध हैं, लेकिन भाषा वही पहेली बनी हुई है। ऐसी स्थिति में एआई की भूमिका तकनीकी प्रगति के साथ न्यायिक लोकतंत्र की आवश्यकता भी है।

दुनिया के कई देशों में कानून की भाषा को सरल और नागरिक-अनुकूल बनाने के लिए एआई का प्रयोग तेजी से बढ़ रहा है। अमेरिका में न्यायालयों और विधि-फर्मों में एआई आधारित उपकरण का इस्तेमाल न सिर्फ कानूनी दस्तावेजों का विश्लेषण करने के लिए, बल्कि उन्हें साधारण भाषा में रूपांतरित करने के लिए किया जा रहा है।

ब्रिटेन में सरकार ने इस अभियान को एआई-सहयोग से और मजबूत किया है, ताकि नागरिकों को अदालतों और प्रशासनिक आदेशों की भाषा आसान रूप में मिल सके। कनाडा में भी न्याय-अभिगम कार्यक्रम के तहत एआई व्यवस्था अदालतों से जुड़े दस्तावेजों को आम नागरिक की भाषा में समझा कर उपलब्ध कराती है। ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में स्थानीय न्यायालयों ने उन क्षेत्रों के लोगों के लिए एआई-आधारित अनुवाद और सरलीकरण प्रणाली शुरू की है, जहां अंग्रेजी मातृभाषा नहीं है।

इन देशों के अनुभव बताते हैं कि भाषा-सरलीकरण के बाद न्यायिक प्रक्रियाओं में आम जनता की भागीदारी बढ़ी है और विवादों की संख्या में कमी आई है। यूरोप के कई देशों में भी न्याय-व्यवस्था में इसे शामिल किया जा रहा है और विशेष रूप से फ्रांस, जर्मनी और नीदरलैंड जैसे देशों में कानून की जटिल शब्दावली को नागरिक-अनुकूल रूप में बदलने की दिशा में संगठित पहल दिखाई देती है।

फ्रांस में न्याय मंत्रालय एआई-सहायता से अदालतों के आदेशों का सहज भाषा में सार उपलब्ध करा रहा है। जर्मनी में 'लीगल टेक' जैसे नवउद्यम किरायेदारी विवाद, बीमा दावे और कर संबंधी दस्तावेजों को आम आदमी की भाषा में समझाने में तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। एस्टोनिया ने तो कृत्रिम मेधा-आधारित 'डिजिटल जज' शुरू किया है, जो छोटे मामलों में तकनीक-सहायता से निर्णय प्रक्रिया को सरल करता है।

भारत में भी कानून की भाषा को सरल बनाने और तकनीकी माध्यम से आम नागरिक तक पहुंचाने की दिशा में उल्लेखनीय काम हो रहा है। एक अनुवाद मंच ने बाईस भारतीय भाषाओं में चालीस हजार से अधिक कानूनी दस्तावेजों का अनुवाद किया है, जिससे अंग्रेजी-भाषी कानूनी दस्तावेजों का लाभ हिंदी-भाषी और अन्य भाषाई समूहों तक पहुंचने लगा है। इसके साथ ही, कई 'लीगल-टेक' कृत्रिम मेधा का उपयोग कर कानूनी शोध, दस्तावेज विश्लेषण और समझ-सार तैयार करने में लगे हैं। इसके नतीजे सामने आ रहे हैं।

आज आवश्यकता इस बात की है कि इस दिशा में संस्थाएं, न्यायालय, विश्वविद्यालय और प्रशासन मिलकर काम करें। जैसे हम शिक्षा में डिजिटल संसाधन उपलब्ध कराते हैं, वैसे ही कानून की भाषा को सरल बनाने का भी सार्वजनिक तंत्र विकसित होना चाहिए। कानून तभी लोगों का साथी बन सकता है, जब उसकी भाषा लोगों की भाषा हो।

आज भी अनेक नागरिक अपने अधिकारों से इसलिए दूर रह जाते हैं, क्योंकि कानूनी शब्दावली उन्हें जटिल लगती है। जब तकनीक, विशेष रूप से कृत्रिम मेधा, इस भाषा को सरल, स्पष्ट और समझने योग्य बनाने का कार्य करेगी, तब न्याय केवल अदालतों तक सीमित अवधारणा नहीं रहेगा, बल्कि आम नागरिकों के जीवन का हिस्सा बन जाएगा।

पर्यटन समाचार

कभी इधर कभी उधर! किसी जन्नत से कम नहीं है पराशर झील

हिमाचल प्रदेश बहुत खूबसूरत राज्य है। एक टूरिस्ट के तौर पर आपको यहां एक अलग ही अनुभव और दुनिया देखने को मिलेगी। अगर आप ट्रैकिंग के शौकीन हैं, तो यहां की पराशर झील सबसे अच्छी जगह है। हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में स्थित पराशर झील प्रकृति का अनुपम सौंदर्य समेटे हुए है। इस दार्शनिक स्थल को देखकर वास्तव में आपका मन रोमांचित हो उठेगा। मंडी से 60 किमी की दूरी पर यह झील समुद्र तल से 9 हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित है।

आश्चर्य है झील में तैरता हुआ आइलैंड : कभी आप यहां जाएं, तो देखेंगे कि इस झील में एक आइलैंड यानी द्वीप तैरता हुआ दिखता है। इसे स्थानीय भाषा में टाहला कहते हैं। यह द्वीप पर्यटकों के लिए किसी आश्चर्य से कम नहीं है। द्वीप झील के केवल 7% हिस्से को कवर करता है। यह हिस्सा झील में इधर से उधर टहलता रहता है। अब तक कोई नहीं जानता कि झील कितनी गहरी है, क्योंकि अब तक कोई भी इसकी गहराई माप नहीं पाया है। स्थानीय लोगों का दावा है कि उन्होंने बड़े-बड़े पेड़ों को झील में डूबते देखा है। इसलिए यह झील आज भी एक रहस्य है।

होलोमिक्टिक झील है : यह शब्द बहुत कम झीलों के लिए इस्तेमाल कया जाता है। यह एक ऐसी झील है, जिसका पानी साल में एक बार पूरी तरह से मिल जाता है। जैसे-जैसे यह मिलता है घनत्व और तापमान ऊपर से नीचे तक एक जैसे हो जाते हैं।

एक पवित्र झील : पराशर झील को एक पवित्र झील माना जाता है। केवल पास के मंदिरों के पुजारी ही झील तक पहुंच पाते हैं। इस झील के पानी का इस्तेमाल पूजा-पाठ के लिए किया जाता है। आपको बता दें कि झील का नाम ऋषि पाराशर के नाम पर रखा गया था। बताया जाता है कि वे इस झील के पास ध्यान किया करते थे।

महाभारत से संबंध : किंवदंती है कि झील का निर्माण पांडवों में से एक भीम ने किया था। जब वे एक लंबी परीक्षा से लौटे, तो उन्होंने भगवान कमरुनाग के साथ इस जगह को देखा। उन्हें यह जगह काफी पसंद आई। इसलिए भीम ने यहीं रहने का फैसला किया। कहते हैं कि उन्होंने पास के पहाड़ों में से एक को कोहनी मार दी थी, तब ये झील बन गई।

पराशर मंदिर : यहां एक सुंदर पराशर मंदिर भी है। यह मंदिर अपनी शानदार वास्तुकला के लिए जाना जाता है। यह मंदिर पैगोडा शैली में बना हुआ है। कहते हैं कि यह मंदिर 14वीं शताब्दी में मंडी रियासत के राजा बाण सेन ने बनवाया था। इसे बनने में पूरे 12 साल लगे थे।

सरानाहुली मेला : यहां पराशर ऋषि का सरानाहुली का दो दिन का बड़ा मेला लगता है। यह मेला हर साल जून के महीने में आयोजित होता है। इस मेले में शामिल होने पर आपको हिमाचली रीति-रिवाजों को देखने का मौका मिलेगा।

झील में जाने का समय : इस अद्भुत जगह की यात्रा करने का सबसे अच्छा समय दिसंबर और फरवरी के बीच है। इस समय पराशर बर्फ से ढका रहता है। हालांकि सर्दियों में पराशर झील बहुत सुंदर दिखती है।

पराशर झील कैसे पहुंचें

आप झील तक पहुंचने के लिए ट्रैक या फिर ड्राइव का विकल्प चुन सकते हैं। ट्रैक को करने में 4 से 7 घंटे का समय लगता है। वैसे पराशर पहुंचने के सभी रास्ते पेड़ पौधों, फल फूल और जड़ी बूटियों से भरपूर हैं। जैसे-जैसे आप पराशर के करीब पहुंचेंगे, यहां का रूप बदलता जाएगा। यकीनन छुट्टियां बिताने के लिए यह बहुत सुंदर जगह है।

मनाली में इन जगहों पर जाना ना भूले, बेहद खूबसूरत है यहाँ के नजारे

मनाली घूमने के लिए लोगों के बीच बहुत ही फेमस है। मनाली बेहद ही खूबसूरत और अपनी प्राकृतिक नज़ारों के लिए जाना जाता है। यहाँ आकर पर्यटक ऊंची-ऊंची घाटियों, बर्फ से ढके पहाड़ों और पहाड़ियों के साथ यहाँ की प्राकृतिक खूबसूरती में खो जाते हैं। हिमाचल के कुछ एक ऐसे पर्यटन स्थल हैं, जहां पर्यटकों की सबसे ज्यादा भीड़ देखी जाती है। जब भी कोई पहली बार मनाली घूमने जाता है तो सबसे पहला सवाल उसके मन में यही होता है कि मनाली में कौन-कौन सी खूबसूरत जगहों पर घूमा जाएँ क्योंकि यह तो सब जानते ही है कि मनाली भारत के सबसे प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों में से एक है और इसके साथ ही पर्यटन स्थल के अलावा दुनियाभर में यह बेस्ट प्लेस ऑफ़ हनीमून मनाने के लिए भी जाना जाता है।

सोलंग घाटी : मनाली से थोड़ी दूर लगभग 14 किलोमीटर की दूरी पर और समुद्र तल से करीब 8400 फीट की ऊंचाई पर एक मिनी घाटी, सोलांग नाला है। यह खेल प्रेमियों के लिए एक अच्छी जगह हैं। जब और राज्यों का मौसम गर्म हो जाता है, तो लोग ज़ोरिंग और पैराग्लाइडिंग करने के लिए इस जगह पर आते हैं। आप यहाँ पर एक केबल कार पर भी हॉप कर सकते हैं और हिमालय के खूबसूरत दृश्यों का आनंद ले सकते हैं। अगर आप यहाँ पर बर्फ पर की जाने वाले खेलों को करने का सोच रहे हैं, तो सर्दियों का समय उसके लिए सबसे अच्छा है।

रोहतांग दर्रा : मनाली से करीब 51 किलोमीटर की दूरी पर, समुद्र तल से 4000 मीटर की ऊँचाई पर और पीर पंजाल रेंज पर स्थित यह ऊँचा पर्वत मार्ग आपको यहाँ की वादियों में गुम कर देगा। प्रकृति प्रेमियों, कलाकारों और फ़ोटोग्राफ़र्स का यह पसंदीदा स्थान है। इसके अलावा रोहतांग दर्रा माउंटेन बाइकिंग और स्कीइंग जैसी गतिविधियों के लिए भी बहुत फेमस है। जब भी आप मनाली जाएँ तो मनाली राजमार्ग से होते हुए रोहतांग दर्रा जरूर जाएँ।

अटल टनल रोहतांग : अटल टनल रोहतांग दर्रे के नीचे पीर पंजाल की पहाड़ी को भेदकर बनाई गयी है और यह टनल भारतीय इंजीनियरिंग का एक बेहतरीन नमूना है। नौ किलोमीटर की इस टनल को पार करने में केवल दस मिनट का ही समय लगता है। पर्यटक यहां रुककर भी इस टनल की निर्माण विधि से अवगत हो सकते हैं।

यह हैं देश के सबसे खौफनाक और डरावने किले बाहर से देखने में ही लोगों का बैठ जाता है दिल

भारत में ऐसी कई पौराणिक जगह देखने को मिल जाएंगी, जिनका इतिहास अभी तक रहस्यमयी बना हुआ है। उनमें से भारत के कुछ किले भी हैं, जिनकी ऐतिहासिक कहानियां आज भी लोगों को डरा देती हैं, यही नहीं ये किले आपको जितने आकर्षक लगेंगे, उतने ही भूतिया और डरावने भी हैं। जी हां, देश में कई किले हैं, जिन्हें भारत के सबसे हॉन्टेड किलों में गिना जाता है। अगर आप भी किलों में घूमने का मन बना रहे हैं, तो पहले उन फोर्ट के बारे में जान लें, जहां की भूतिया कहानियों ने आज भी लोगों के दिलों में डर बनाया हुआ है।

गोलकोंडा किला

गोलकोंडा किला भारत के हैदराबाद में मौजूद है। ये किला देखने में जितना आलिशान, शानदार और विशाल दिखाई देगा, उतना ही इससे जुड़ी कहानियां खतरनाक है। लोगों का कहना है कि यहां काफी डरावनी आवाजें सुनाई देती हैं, जिसे सुनकर लोगों का दिल बैठ जाता है। आपको बता दें, स्थानीय लोगों के साथ-साथ यहां कई फिल्म शूटिंग के रूल्स भी आएं हैं, जिनका कहना है कि किले में कोई आत्मा है, जो डराती है। यहां डरावनी आवाजें भी सुनाई देती हैं। इस किले में कभी भी घूमने के लिए आएं तो अकेले बिल्कुल न जाएं।

भानगढ़ किला

भानगढ़ किला राजस्थान के अलवर जिला में मौजूद है। ये किला देश के कुछ सबसे डरावने और खतरनाक किलों में आता है। इससे कई पुराने रहस्य जुड़े हुए, जिसे आजतक न कोई सुलझा पाया और न कोई समझ पाया। ये किला अरावली पर्वत पर मौजूद है, जहां जाने पर ही लोगों की रूह कांप उठती है। आपको बता दें, इस किले में शाम 6 बजे के बाद जाने की अनुमति नहीं है, यही नहीं दिन में भी इस किले के आसपास कोई भी अकेले नहीं जा पाता।

बांधवगढ़ का किला

बांधवगढ़ किला मध्यप्रदेश के उमड़िया किले में मौजूद है। इस किले से भी कई रहस्य जुड़े हुए हैं, जिसे लोगों के लिए सुलझा पाना काफी मुश्किल है। किला बांधवगढ़ पहाड़ी पर मौजूद है। इस किले को 2 हजार साल पहले बनाया गया था। माना जाता है कि इस किले में भगवान विष्णु की पत्थरों की मूर्ती स्थापित है। ये मूर्ती अपने आप में काफी रहस्यमय है। बल्कि ये मूर्ती ही नहीं, पूरा क्षेत्र ही रहस्यों से घिरा हुआ है। आपको बता दें, इस जगह के बारे में नारद पंच और शिव पुराण में भी है।

रोहतासगढ़ किला

रोहतासगढ़ किला बिहार में मौजूद है, जो पूरी दुनिया में फेमस है। कहा जाता है कि इस किले का निर्माण राजाओं ने युद्ध में दुश्मनों से छिपने के लिए किया था। इस किले से भी कई डरावनी कहानियां जुडी हुई हैं, जिनकी वजह से लोगों के अंदर एक डर बैठा हुआ है। लोगों को यहां दिन में भी अकेले जाने से डर लगता है। लोगों का कहना है कि यहां से उन्होंने चीखने-चिल्लाने की आवाजें सुनी हैं।

आज का राशिफल

मेष
अनावश्यक जोखिम न लें। किसी भी व्यक्ति के उकसावे में न आएं। फालतू खर्च होगा। पुराना रोग उभर सकता है। सेहत को प्राथमिकता दें। लेन-देन में जल्दबाजी से हानि होगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। महत्वपूर्ण निर्णय लेने का समय नहीं है। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

वृष
यात्रा मनोरंजक रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है। किसी बड़ी समस्या का हल मिलेगा। व्यावसायिक साझेदार पूर्ण सहयोग करेंगे। कोई नया उपक्रम प्रारंभ करने का मन बनेगा। सेहत का ध्यान रखें। वरिष्ठजनों की सलाह काम आएगी। नए मित्र बनेंगे। आय बनी रहेगी। हर कार्य बेहतर होगा।

मिथुन
सामाजिक कार्यों में मन लगेगा। दूसरों की सहायता कर पाएंगे। मान-सम्मान मिलेगा। रुके कार्यों में गति आएगी। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। व्यापार ठीक चलेगा। मनोरंजक यात्रा हो सकती है। मित्रों के साथ अच्छा समय व्यतीत होगा। घर-बाहर सुख-शांति रहेगी।

कर्क
घर-परिवार के साथ आराम तथा मनोरंजन के साथ समय व्यतीत होगा। मान-सम्मान मिलेगा। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। विरोध होगा। काम करते समय लापरवाही न करें। चोट लग सकती है। थकान तथा कमजोरी महसूस होगी।

सिंह
स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। कार्य करते समय लापरवाही न करें। बनते कामों में बाधा हो सकती है। विवाद से बचें। काम में मन नहीं लगेगा। किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं। विवेक का प्रयोग करें। आय बनी रहेगी। पारिवारिक सहयोग मिलेगा।

कन्या
उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। कोई नया बड़ा काम करने की योजना बनेगी। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल चलेगा। भ्रम की स्थिति बन सकती है। बुद्धि का प्रयोग करें। लाभ में वृद्धि होगी।

तुला
लेन-देन में जल्दबाजी न करें। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से क्रोध रहेगा। भूमि व भवन संबंधी बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेगा। बड़ा काम करने का मन बनेगा। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। आय में वृद्धि होगी।

वृश्चिक
किसी प्रभावशाली व्यक्ति से सहयोग प्राप्त होगा। पूजा-पाठ में मन लगेगा। तीर्थदर्शन हो सकते हैं। विवेक का प्रयोग करें, लाभ होगा। मित्रों के साथ अच्छा समय बीतेगा। विरोध होगा। पारिवारिक सुख-शांति बनी रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। झंझटों में न पड़ें। जल्दबाजी से हानि होगी।

धनु
घर-परिवार की चिंता रहेगी। किसी वरिष्ठ व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। घर-परिवार में प्रसन्नता रहेगी। बाहर जाने का मन बनेगा। भाइयों से मतभेद दूर होंगे। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें।

मकर
रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। मनपसंद भोजन की प्राप्ति संभव है। पारिवारिक सदस्यों तथा मित्रों के साथ आनंदायक समय व्यतीत होगा। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा।

कुंभ
मनोरंजक यात्रा की योजना बनेगी। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। आय में वृद्धि होगी। बिगड़े काम बनेंगे। प्रसन्नता रहेगी। मित्रों के साथ अच्छा समय व्यतीत होगा। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य बिगड़ सकता है, ध्यान रखें। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। भाग्य का साथ मिलेगा। प्रमाद न करें।

मीन
बुरी सूचना मिल सकती है। मेहनत अधिक होगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। आय में कमी रहेगी। नकारात्मकता बढ़ेगी। विवाद से क्लेश होगा। जल्दबाजी में कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। अनावश्यक परेशानी खड़ी हो सकती है। दूसरों की बातों में न आएं। धैर्य रखें, समय सुधरेगा।

कड़ी सुरक्षा के बीच हुई आरपीएससी परीक्षा

निसं

जयपुर (नवयत्न)। राजस्थान लोक सेवा आयोग आरपीएससी अजमेर द्वारा आयोजित प्राध्यापक, प्राध्यापक कृषि एवं कोच प्रतियोगी परीक्षा-2025 के अंतर्गत गुरुवार को जयपुर जिले में शारीरिक शिक्षा विषय की परीक्षाएं शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुईं। जिला प्रशासन की ओर से परीक्षा के सफल संचालन के लिए सुरक्षा, यातायात, पेयजल और विद्युत सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई थीं। परीक्षा समन्वयक एवं अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट जयपुर पूर्वद्ध नरेंद्र कुमार वर्मा ने बताया कि प्रथम पारी में आयोजित सामान्य ज्ञान प्रश्न पत्र के लिए कुल 3,261 अभ्यर्थी पंजीकृत थे। इनमें से 1,937 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए, जबकि 1,324 अनुपस्थित रहे। इस प्रकार परीक्षा में 59ण्40 प्रतिशत उपस्थिति दर्ज की गई। उन्होंने बताया कि द्वितीय पारी में आयोजित शारीरिक शिक्षा विषय विशेष प्रश्न पत्र के लिए भी 3,261 अभ्यर्थी पंजीकृत थे। इनमें से 1,919 परीक्षार्थी उपस्थित रहेए जबकि 1,342 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। इस परीक्षा में 58.85 प्रतिशत उपस्थिति दर्ज की गई। एडीएम वर्मा ने बताया कि सभी परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा का आयोजन शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं पारदर्शी वातावरण में सम्पन्न हुआ। केन्द्रों पर नियुक्त पर्यवेक्षकों एवं अधिकारियों ने आयोग के दिशा.निर्देशों की पालना सुनिश्चित कराई। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन और संबंधित विभागों के समन्वित प्रयासों से परीक्षा का सफलतापूर्वक संचालन किया गया तथा किसी भी परीक्षा केन्द्र से किसी प्रकार की अप्रिय घटना या अव्यवस्था की सूचना प्राप्त नहीं हुई।

भाजपा चिड़ावा मंडल कार्यकारिणी घोषित

निसं

चिड़ावा (नवयत्न)। भाजपा जिला झुंझुनू की जिलाध्यक्ष हर्षिनी कुल्हरी के निर्देशानुसार पिलानी विधानसभा के चिड़ावा शहर मण्डल अध्यक्ष नरेन्द्र गिरधर ने मण्डल की नई कार्यकारिणी की घोषणा कर दी है। कार्यकारिणी सदस्यों का भाजपा नेता राजेश दहिया के मुख्य आतिथ्य में अभिनंदन किया गया। घोषित सूची के अनुसार कार्यकारिणी में विभिन्न वर्गों के 20 पदाधिकारियों को जगह दी गई है, जो सभी चिड़ावा शहर के निवासी हैं। सूची इस प्रकार है, उपाध्यक्षः मदन डारा, रामचन्द्र शर्मा, अमित सैनी, पवन कुमार नवहाल, राजेश वर्मा और मोहित तामड़ायत।
महामंत्री : मुकेश शर्मा और अंकित भगेरिया
मंत्री : रिंकू देवी शर्मा, ख्याति केडिया, सुशील डाबला, विनय सोनी, मनजीत सिंह और पीयूष बाछुका।
कोषाध्यक्ष : मुकेश जलिन्द्रा,
कार्यालय प्रभारी : राजकुमार गजराज,
आईटी सेल : अमित चोटिया,
प्रवक्ता: गंगाधर सैनी, सोशल मीडिया प्रभारीरू पंकज मिश्रा
मीडिया प्रभारी : मंगेश भगत मण्डल अध्यक्ष नरेन्द्र गिरधर ने बताया कि नई टीम संगठन को मजबूत करने और पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुँचाने का काम करेगी।

झड़ाया बालाजी मंदिर पर हुआ विशाल धर्म सभा का आयोजन

उदयपुरवाटी (नवयत्न)। उपखंड क्षेत्र के झड़ाया बजरंग धाम आश्रम पर 17 जून से आयोजित होने वाले 108 कुंडीय श्री राम महायज्ञ की तैयारी को लेकर मंदिर के महंत महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 से सीताराम दास महाराज के सानिध्य में विशाल धर्म सभा का आयोजन हुआ स धर्म सभा के दौरान उप यज्ञाचार्य संजय शास्त्री, यज्ञ सेवा समिति के अध्यक्ष मदनलाल भावरिया, सेवानिवृत्ति तहसीलदार गजानंद लाटा, डॉ. रामकुमार सिराधनाए कैप्टन रामनिवास ताखर सहित कई वक्ताओं ने धर्म सभा के दौरान उद्बोधन में यज्ञ की तैयारियों पर विचार विमर्श किया स यज्ञ सेवा समिति के अध्यक्ष मदनलाल भावरिया ने अपने उद्बोधन में कहा कि झड़ाया बजरंग धाम आश्रम पर इस बार 17 जून से आयोजित होने वाला 108 कुंडीय राम महायज्ञ देश का सबसे बड़ा ऐतिहासिक महायज्ञ होगा। भावरिया के अनुसार 108 कुंडीय यज्ञ एक विशाल और अत्यंत प्रभावशाली धार्मिक व आध्यात्मिक अनुष्ठान है। जिसका भारतीय संस्कृति और वेदों में विशेष महत्व है, उप यज्ञाचार्य संजय शास्त्री के अनुसार यह सामान्य यज्ञ से कहीं अधिक शक्तिशाली माना जाता है क्योंकि इसमें 108 यज्ञ कुंडों में एक साथ आहुतियां दी जाती है। जिससे सूक्ष्म और स्थूल वातावरण में जबरदस्त सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है सधर्म सभा के दौरान कार्यकर्ताओं को अलग-अलग जिम्मेदारियां भी दी गई। इस दौरान संत बक्स सिंह शेखावत, डॉ रामकुमार सिराधना, महेंद्र तेतरवाल, हनुमान यादव, महादेव जांगिड़, कैप्टन रामनिवास ताखर, सेवानिवृत्ति पीटीआई भगवान सहाय यादव, यज्ञ सेवा समिति के मीडिया प्रभारी अशोक जांगिड, विकास जांगिड़ सहित यज्ञ सेवा समिति के सभी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पुरुषोत्तम मास की परमा एकादशी पर फलाहार का वितरण

सुजानगढ़ (नवयत्न)। स्थानीय श्री श्याम सखी मंडल की प्रेरणा से संस्कार केंद्र के भैया बहनों को फल व जूस वितरण किया गया। सूरज कुमारी गाड़ोदिया बालिका उच्च प्राथमिक आदर्श विद्या मंदिर द्वारा संचालित जीजाबाई संस्कार केंद्र पर फल व जूस वितरण किया गया। संस्कार केंद्र चालक खुशी भार्गव ने महिला शक्ति का परिचय करवाया। संस्कार केंद्र पालक शोभा शर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया। संपत देवी लाहोटीए कविता देवी लाहोटी ने विचार व्यक्त किए।

ऑस्ट्रेलिया की संसद में गूंजी हनुमान चालीसा की चौपाइयां

भारत गौरव अवार्ड्स में 25 अंतरराष्ट्रीय विभूतियां सम्मानित

निसं

जयपुर (नवयत्न)। ऑस्ट्रेलिया की ऐतिहासिक एवं प्रतिष्ठित संसद भवन विक्टोरिया के क्वींन्स हॉल में संस्कृति युवा संस्था की ओर से आयोजित भारत गौरव अवार्ड्स के 13वें संस्करण में भारतीय संस्कृति, अध्यात्म और वैश्विक भारतीय प्रतिभाओं का संगम देखने को मिला। समारोह की शुरुआत भारत और ऑस्ट्रेलिया के राष्ट्रगान से हुई। इसके बाद मेहंदीपुर बालाजी धाम के महंत डॉ. नरेशपुरी महाराज के नेतृत्व में हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ किया गया। ऑस्ट्रेलिया की संसद में पहली बार हुए इस पाठ ने उपस्थित अतिथियों को भावविभोर कर दिया। समारोह में भारत सहित 18 देशों से आए प्रतिनिधियों, राजनेताओं, उद्योगपतियों, शिक्षाविदों, वैज्ञानिकों, आध्यात्मिक गुरुओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली 25 अंतरराष्ट्रीय विभूतियों को भारत गौरव अवार्ड से सम्मानित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि मेहंदीपुर बालाजी धाम के महंत डॉ. नरेशपुरी महाराज रहे। विशिष्ट अतिथियों में विक्टोरिया सरकार के पर्यावरण मंत्री स्टीव डिमोपोलोस, विक्टोरियन मल्टीकल्चरल कमीशन के अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री विवियन गुयेन एएमए सांसद मेंग हेंग टैक तथा प्रयागराज महाकुंभ के मुख्य सलाहकार राकेश कुमार शुक्ला शामिल रहे।

संस्कृति युवा संस्था के अध्यक्ष पं. सुरेश मिश्रा ने कहा कि भारत गौरव अवार्ड्स का उद्देश्य उन विभूतियों को सम्मानित करना है जिन्होंने अपने कार्यों से समाज, राष्ट्र और मानवता के लिए असाधारण योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया की संसद में इस आयोजन का होना प्रत्येक भारतीय के लिए गर्व का विषय है तथा भारतीय संस्कृति, योग, अध्यात्म, शिक्षा, विज्ञान और उद्यमिता आज विश्वभर में अपनी विशिष्ट पहचान बना रहे हैं। समारोह का विशेष आकर्षण विश्वविख्यात विज्ञापन विशेषज्ञए पद्मभूषण एवं मरणोपरांत पद्मविभूषण से सम्मानित दिवंगत पीयूष पांडे के परिजनों को प्रदान किया गया

भारत गौरव अवार्ड रहा। उपस्थित अतिथियों ने इसे उनके रचनात्मक योगदान के प्रति विशेष श्रद्धांजलि के रूप में देखा। कार्यक्रम संयोजक सुनील खेतपालिया ने बताया कि सभी सम्मानित विभूतियों को प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह, अंगवस्त्र एवं भारत गौरव अलंकरण प्रदान किया गया। अतिथियों का स्वागत संस्कृति युवा संस्था के उपाध्यक्ष दिनेश शर्मा, सुनील जैन, ऑस्ट्रेलिया चैप्टर के चेयरमैन रवि शर्मा, अमित चांवला, सतीश शर्मा, ऋषभ शर्मा, अदित हरिया, नीलम मिश्रा, सौम्यता मिश्रा एवं ज्योति ने किया। धन्यवाद ज्ञापन सुनील खेतपालिया ने किया तथा कार्यक्रम का संचालन सौम्यता मिश्रा ने किया।

एनआरआई को किया ब्लैकमेल, धमकी देने के भी आरोप

निसं

नोखा (नवयत्न)। बीकानेर पिता से मिलने अपने माता आए अमेरिका के टेक्सास निवासी एनआरआई दिनेश तिवारी के साथ बीकानेर के कुछ युवकों की ओर से दुर्व्यवहार करने का मामला सामने आया है। अपने ही देश के लोगों से पीड़ित हुए एनआरआई ने पुलिस को शिकायत दी है। पीड़ित एनआरआई दिनेश तिवारी की ओर से दी गई शिकायत में कहा गया है कि वह पिछले महीने अमेरिका के टेक्सास से यहां नोखा में अपने माता-पिता से मिलने आया था। उसकी वापसी की फ्लाइट 11 मई की रात 2 बजे बेंगलुरु से थी। अपना लगेज उसे बेंगलुरु पहुंचाना था। जिसके लिए एनआरआई ने जयपुर रोड स्थित श्रीबालाजी ट्रांसपोर्ट की सेवाएं ली। लेकिन ट्रांसपोर्ट संचालक अजय सिहाग ने अपने साथियों देवेंद्र कौशिक और वीरेंद्र के साथ मिलकर एनआरआई को ब्लैकमेल करते हुए उससे रुपए ऐंठ लिए और निर्धारित समय पर उसका लगेज भी बेंगलुरु नहीं पहुंचाया। एनआरआई ने जब श्रीबालाजी ट्रांसपोर्ट के संचालक अजय सिहाग को अपने लगेज के बारे में पूछा तो उसके परिवार को ब्लैकमेल कर रूपये ऐंठे, निर्धारित समय पर लगेज नहीं पहुंचाया परिवार को उठयाने की धमकी दी नोखा से उठवाने की धमकियां दी गईं। शिकायत में एनआरआई की ओर से आरोप लगाए गए हैं। कि ट्रांसपोर्ट संचालक ने फर्जी तरीके से डीटीडीसी की राशिदें भी दी थी। जिनके आधार पर एनआरआई ने 10 और 11 मई की शाम तक बेंगलुरु में करीब 10 स्थानों पर डीटीडीसी के कार्यालयों पर जाकर अपना लगेज लेने का प्रयास किया था। लेकिन फर्जी रशीदें होने की वजह से उसका लगेज नहीं मिल सका। दो दिनों तक उनका टाइम भी खराब हुआ और मानसिक परेशानी झेलनी पड़ी।

बिना लगेज और बुरे अनुभव लिए एनआरआई गए अमेरिका

एनआरआई के पिता ओमप्रकाश तिवारी ने बताया कि उनका बेटा अपने जिलेवासियों के दुर्व्यवहार की वजह से रोता हुआ बिना लगेज के ही अमेरिका गया है। ट्रांसपोर्ट संचालक अजय सिहाग, देवेंद्र कौशिक और वीरेंद्र ने उनके बेटे से 12,500 रुपए ऐंठे हैं। वहीं फ्लाइट में लगेज बुकिंग के उनके बेटे के एक लाख दस हजार रूपये लगे। लेकिन श्रीबालाजी ट्रांसपोर्ट की बईमानी की वजह से लगेज को बेंगलुरु नहीं पहुंचाया गया। पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा को मामले से अवगत करवाने के बाद जेएनवीसी थाना पुलिस की ओर से कार्रवाई की गई। उन्होंने बताया कि उनके बेटे के अमेरिका जाने के कई दिन बाद लगेज खराब अवस्था में बेंगलुरु पहुंचाए जो आज भी वहीं पड़ा है।

जलदाय विभाग के कर्मचारियो ने रखा सामूहिक उपवास

समर्पित अवकाश का नगद भुगतान, आरजीएचएस का सरलीकरण तथा अन्य मांगों के समर्थन में किया प्रदर्शन

सुरेन्द्र शर्मा

सीकर (नवयत्न)। राजस्थान पीएचईडी तकनीकी कर्मचारी संघ जिला सीकर के बैनर तले प्रांतीय अध्यक्ष संतोष विजय के आह्वान पर जिले के तकनीकी कर्मचारियों ने आज 11 जून को अधीक्षण अभियंता कार्यालय जिला मुख्यालय परिसर में सामूहिक उपवास रखकर राज्य कर्मचारियों को अप्रैल 2026 में देय समर्पित अवकाश का शीघ्र भुगतान दिलाने, जीपीएफ एवं राज्य बीमा ऋण क्लेम का भुगतान समय पर किए जाने तथा आरजीएचएस योजना में सरलीकरण कर कर्मचारी और पेंशनरों को समय पर उपचार एवं दवाइयां उपलब्ध करवाने हेतु जैसी

विभिन्न मुख्य मांगों को लेकर सामूहिक उपवास रखकर प्रदर्शन किया एवं मुख्यमंत्री के नाम अधीक्षण अभियंता को ज्ञापन सोपा गया इसमें जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग तकनीकी कर्मचारी संघ सीकर के जिलाध्यक्ष सुशील कुमार जैन, महामंत्री बजरंग सिंह शेखावत, भगीरथ गोरा हेमराज सैनी, रविन्द्र सिंह शेखावत, मोहन लाल, अनिल जैन, गोविंदा राम, पहलाद यादव एसीताराम सैनी, दलीप सिंह, अमरचंद, हनुमान सैनी, मदन गुर्जर, आदी कर्मचारी शामिल रहे।

राजस्थान पुलिस में चयनित हुए नरेन्द्र कुमार, गांव में खुशी की लहर

सुरेन्द्र शर्मा

सीकर (नवयत्न)। जिले के छोटीपुरा गांव के युवा नरेन्द्र कुमार के राजस्थान पुलिस में टेलीकॉम पद पर चयन होने पर गांव में खुशी का माहौल है। चयन की सूचना मिलते ही परिजनों को बधाई देने वालों का तांता लग गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार नरेन्द्र कुमार, सीकर डिपो के यातायात प्रबंधक बीरमाराम तुंगरिया के पुत्र हैं। उनके राजस्थान पुलिस में चयन को लेकर ग्रामीणों, रिश्तेदारों एवं शुभचिंतकों ने परिवार को शुभकामनाएं दीं। ग्रामीण राजेश कुमार सांखला ने बताया कि नरेन्द्र कुमार बचपन से ही पढ़ाई में मेधावी रहे हैं। उनकी कड़ी मेहनत, लगन और निरंतर प्रयासों का परिणाम आज सफलता के रूप में सामने आया है। उन्होंने कहा कि नरेन्द्र ने अपने माता-पिता तथा गांव का नाम रोशन किया है। परिवार की शैक्षणिक उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए बताया गया कि नरेन्द्र कुमार की बड़ी बहन का भी हाल ही में ग्राम विकास अधिकारी वीडीओ पद पर चयन हुआ था। अब भाई के राजस्थान पुलिस में चयन से परिवार की खुशियां दोगुनी हो गई हैं।ग्रामीणों ने नरेन्द्र कुमार के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए इस सफलता को गांव के युवाओं के लिए प्रेरणादायक बताया।

भारत स्काउट गाइड जिला मुख्यालय झुंझुनू सोलंग वैली कुल्लू मनाली में आयोजित

निसं

झुंझुनू (नवयत्न)। 11 जून राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड राज्य मुख्यालय जयपुर के तत्वावधान में दिनांक 6 से 10 जून तक राज्य स्तरीय स्काउटर गाइडर शैक्षिक भ्रमण शिविर का आयोजन हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में स्थित सोलंग वैली बेस कैंप पर किया गया। सी. ओ. स्काउट महेश कालावत ने बताया कि इस शिविर में झुंझुनू जिले से 13 पदाधिकारियों, स्काउटर गाइडर ने सहभागिता कीए जिसमें सुनीता यादव मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी झुंझुनू, महेंद्र कुमार सैनी अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी उदयपुरवाटी, राजेश कुमार अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी खेतड़ी, संजू नेहरा प्रधानाचार्य राउमावि टोंक छीलरी, रतन सैनी प्रधानाचार्य राबाउमावि उदयपुरवाटी, जितेंद्र कुमार सचिव स्थानीय संघ खेतड़ी, अंजू सैनी व्याख्याता राउमावि बुढ़ाना, सरला प्रजापति व्याख्याता राउमावि नानू वाली बावड़ी, मनीषा सैनी अध्यापिका पीएमश्री राबामावि सूरजगढ़, इंद्राज भूरिया वरिष्ठ अध्यापक राउमावि उदावास, राजेश कुमार राउप्रावि ककड़ेऊ कला, राजबाला यादव अध्यापिका राउमावि थली, राजकुमार सैनी स्काउट प्रभारी सूरजगढ़ ने इस शिविर में शामिल होकर हिमाचल प्रदेश की संस्कृति,

रहन-सहन, वातावरण एवं सांस्कृतिक आदान-प्रदान कर राजस्थान की अमिट छाप छोड़ी। सी. ओ. स्काउट कालावत ने बताया कि शिविर में राजस्थान प्रदेश के 150 से अधिक संभागियों ने भाग लिया जिसमें झुंझुनू जिले के 13 सदस्यों ने भाग लिया।

भ्रमण के दौरान हिमाचल प्रदेश के दर्शनीय स्थलों रोहतांग दर्रा, लाहौल स्पीति, कुल्लू मनाली, सोलांग वैली, अटल टनल सहित अनेक दर्शनीय स्थलों का भ्रमण किया। इस विशिष्ट भ्रमण शिविर के सफलतापूर्वक आयोजन पर मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार शर्मा, जिला अध्यक्ष गंगाधर सिंह सुंडा, जिला प्रशिक्षण आयुक्त चिरंजी लाल शर्मा, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी अलसीसर राजेंद्र कुमार खीचड़, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी खेतड़ी अनुकंपा अरडावतिया, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी नवलगढ़ आत्माराम, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी उदयपुरवाटी नरेश गुप्ता ने सभी को हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की ।

वैदिक आश्रम पिपराली में योग, वैदिक संस्कार एवं यज्ञ प्रशिक्षण शिविर के चौथे दिन हुए विविध कार्यक्रम

सुरेन्द्र शर्मा

सीकर (नवयत्न)। वैदिक आश्रम पिपराली में पूर्व सांसद स्वामी सुमेधानन्द सरस्वती के सान्निध्य में चल रहे योग प्रशिक्षण शिविर, वैदिक संस्कार एवं यज्ञ प्रशिक्षण शिविर के पांचवे दिन गुरूवार को साधकों एवं प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया। प्रातरूकाल योगाचार्यों के मार्गदर्शन में योगाभ्यास, प्राणायाम एवं ध्यान सत्र आयोजित किया गया, जिसमें स्वास्थ्य संवर्धन एवं मानसिक एकाग्रता के महत्व पर प्रकाश डाला गया। इसके पश्चात वैदिक संस्कारों, भारतीय संस्कृति एवं जीवन मूल्यों पर विशेष मार्गदर्शन प्रदान किया गया। यज्ञ प्रशिक्षण सत्र में प्रतिभागियों को वैदिक विधि-विधान से यज्ञ

संपादन की जानकारी दी गई तथा राष्ट्र, समाज एवं विश्व कल्याण की भावना के साथ वैदिक मंत्रोच्चार द्वारा यज्ञ संपन्न कराया गया। इस अवसर पर स्वामी सुमेधानन्द सरस्वती ने कहा कि योग, यज्ञ और संस्कार भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर हैं। इनके माध्यम से व्यक्ति का शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक विकास संभव है। उन्होंने युवाओं से भारतीय संस्कृति एवं वैदिक परंपराओं को आत्मसात करने का आह्वान किया। शिविर में बड़ी संख्या में युवा, महिलाएं एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे तथा सभी ने कार्यक्रमों में सक्रिय सहभागिता निभाई।

महात्मा महाप्रज्ञ हॉस्पिटल टमकोर में 12 से 14 जून तक विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर

निसं

टमकोर (नवयत्न)। महात्मा महाप्रज्ञ हॉस्पिटल, टमकोर के तत्वावधान में आचार्यश्री महाप्रज्ञजी की 107वीं जन्म जयंती के उपलक्ष्य में 12 से 14 जून 2026 तक तीन दिवसीय विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर एवं राजस्थान ग्रामीण बैंक द्वारा वित्तीय समावेशन शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर प्रतिदिन प्रातः 9 बजे से प्रारम्भ होगा। हॉस्पिटल निर्देशक अजित जैन ने बताया कि शिविर में विभिन्न प्रतिष्ठित अस्पतालों के विशेषज्ञ चिकित्सक अपनी सेवाएं देंगे। 12 जून को एएसजी नेत्र हॉस्पिटल, सीकर के नेत्र रोग विशेषज्ञ मोतियाबिंद, दृष्टि दोष एवं अन्य नेत्र संबंधी रोगों की जांच एवं परामर्श प्रदान करेंगे। 13 जून को प्रसूति एवं स्त्री रोग, चर्म रोग, मूत्र रोग तथा नाक, कान एवं गला ईएनटी संबंधी रोगों के विशेषज्ञ मरीजों की जांच कर परामर्श देंगे। वहीं 14 जून को जिंदल हॉस्पिटल, हिसार के विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा कैंसर, हृदय रोग, हड्डी रोग तथा श्वास एवं फेफड़ों से संबंधित रोगों की जांच एवं परामर्श सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। शिविर के दौरान महात्मा महाप्रज्ञ लैब द्वारा ब्लड टेस्ट, मूत्र जांच एवं शुगर जांच जैसी आवश्यक जांचें भी निःशुल्क की जाएंगी। आयोजकों ने क्षेत्रवासियों से अधिकाधिक संख्या में पहुंचकर शिविर का लाभ उठाने की अपील की है।

सड़क दुर्घटना मामले में पीड़ित पक्ष को कुल ब्याज सहित 36.96 लाख रूपये का अवार्ड पारित

निसं

तारानगर (नवयत्न)। न्यायालय मोटर दुर्घटना दावाधिकरण के पीठासीन अधिकारी तारानगर संतोष कुमार मीणा ने सड़क दुर्घटना के मामले में कुल ब्याज सहित 36.96 लाख रूपये का अवार्ड पारित किया। मामले में प्रार्थीगण की ओर से पैरवी करने वाले अधिवक्ता अनिल कुमार स्वामी राजपुरा ने बताया कि दिनांक 15 जनवरी 2021 को तारानगर से बीकानेर जाने वाली बस में ग्राम राजास निवासी मुकेश कुमार जो बस पर खलासी के रूप में कार्य करता था। तथा राजवीर सिंह तोगावास व उषा पचार झोथड़ा बस में अन्य सवारियों के साथ सवार होकर तारानगर से सरदारशहर जा रहे थे। जब वे तोगावास के पास पहुंचे तो ट्रक नं. आरजे 07 जीडी 3436 के चालक ने अपने ट्रक को लापरवाही पूर्वक सड़क के बीच में खड़ा कर रखा था, कोहरे के मौसम में ट्रक बस चालक को दिखाई नहीं दी जिस कारण बस ट्रक के पिछे टकरा गई, जिससे मुकेश कुमार की मौके पर ही मृत्यु हो गई तथा राजवीर व उषा पचार को चोट लगी। घटना का मुकदमा पुलिस थाना भालेरी में दर्ज करवाया गया। पुलिस ने अनुसंधान कर ट्रक नं. आरजे 07 जीडी 3436 के चालक जयकरण सिंह देशनोक के खिलाफन्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट तारानगर में सड़क दुर्घटना मानकर चालान पेश किया। मृतक की ओर से मृतक की पत्नी सायर, पुत्र-पुत्री व पिता कुम्भाराम, माता विधा देवी की ओर से क्लेम याचिका पेश कीए जो सायर कुमारी बनाम रॉयल सुन्दरम पेश हुई। घायल राजवीर व उषा पचार ने भी क्लेम याचिका पेश की। जिसमें पीठासीन अधिकारी शसंतोष कुमार मीणा ने पत्रावली का अवलोकन कर पत्रावली पर आये साक्ष्यों के आधार पर प्रार्थीगण सायर आदि के पक्ष में 23,23,821 रूपये, प्रार्थी राजवीर के पक्ष में 12,94,417 रूपये, उषा के पक्ष में 78,007 रूपये का अवार्ड पारित किया। इस प्रकार न्यायालय ने प्रार्थियों के पक्ष में कुल ब्याज सहित 36,96 लाख रूपये का अवार्ड पारित किया। प्रार्थीगण की तरफ से मामले में पैरवी अधिवक्ता अनिल कुमार स्वामी राजपुरा ने की।

सबसे बड़ा विमेंस टी-20 वर्ल्डकप आज से

पहली बार 12 टीमें और 33 मैच; भारत ग्रुप ऑफ डेथ में, 14 जून को पाकिस्तान से मुकाबला

10वां विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप 12 जून से इंग्लैंड और वेल्स में शुरू होगा। पहला मुकाबला मेजबान इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच खेला जाएगा। फाइनल 5 जुलाई को लॉर्ड्स में होगा। इस बार 12 टीमें 24 दिनों में 33 मुकाबले खेलेंगी। यह अब तक का सबसे बड़ा विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप होगा। टूर्नामेंट की डिफेंडिंग चैंपियन न्यूजीलैंड है। टीम ने 2024 में पहली बार खिताब जीता था।

ऑस्ट्रेलिया 6 ट्रॉफी के साथ टूर्नामेंट की सबसे सफल टीम है। भारत कभी ट्रॉफी नहीं जीत पाई है। टीम ने 4 बार सेमीफाइनल और एक बार फाइनल में जगह बनाई है। भारत इस बार ग्रुप ऑफ डेथ में है, जिसमें ऑस्ट्रेलिया-साउथ अफ्रीका जैसी टीमें हैं। भारत का पहला मैच 14 जून को बर्मिंघम में पाकिस्तान से होगा।

टूर्नामेंट की शुरुआत कब और कैसे हुई?

2009 में पहली बार विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप इंग्लैंड में हुआ था। टूर्नामेंट में 8 टीमें शामिल थीं। मेजबान इंग्लैंड ही पहली चैंपियन बनी थी। शुरुआती 3 वर्ल्ड कप तक 8 टीमें खेलती थीं। 2014 से टीमों की संख्या बढ़कर 10 हुई। 2026 में पहली बार 12 टीमें हिस्सा ले रही हैं। इंग्लैंड 17 साल बाद वर्ल्ड कप की मेजबानी कर रहा है।

टूर्नामेंट किस फॉर्मेट में खेला जाएगा ?

12 टीमों को 6-6 के दो ग्रुप ए और बी में बांटा गया है। ग्रुप स्टेज में सभी टीमें एक-दूसरे से खेलेंगी। इसके बाद दोनों ग्रुप की टॉप-2 टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। सेमीफाइनल जीतने वाली टीम फाइनल खेलेगी।

भारत का अभियान कब शुरू होगा?

भारतीय टीम 14 जून को पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले से अपने अभियान की शुरुआत करेगी। टीम का सबसे बड़ा मुकाबला 28 जून को ऑस्ट्रेलिया से होगा। 21 जून को भारत और साउथ अफ्रीका आमने-सामने होंगे। ग्रुप7 को इस बार ग्रुप ऑफ डेथ कहा जा रहा है। इसमें भारत, ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका जैसी मजबूत टीमें हैं।

भारतीय टीम की कप्तानी हरमनप्रीत कौर करेंगी। स्क्वॉड में स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष, दीप्ति शर्मा, रेणुका सिंह और श्रेयांका पाटिल जैसे खिलाड़ी हैं।

पहली बार क्या हो रहा है

पहली बार 12 टीमें: यह विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप का पहला एडीशन होगा। जिसमें 12 टीमें हिस्सा लेंगी। इससे पहले 10 टीमें खेली थीं।
नीदरलैंड्स का डेब्यू: नीदरलैंड्स पहली बार विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप खेलेगा। टीम ने ग्लोबल क्वालिफायर में चौथा स्थान हासिल कर टूर्नामेंट में जगह बनाई।

भारत का प्रदर्शन कैसा रहा है?

भारत ने अब तक सभी 9 वर्ल्डकप खेले हैं। टीम 2020 में पहली और इकलौती बार फाइनल में पहुंची थी। उसे ऑस्ट्रेलिया ने हराया था। भारत 4 बार सेमीफाइनल तक भी पहुंचा है। भारत ने टूर्नामेंट में 40 मैच खेले हैं। इसमें 22 जीते और 18 हारे हैं। उसका जीत प्रतिशत 55त्न रहा है।

इतिहास और प्रकृति की नजदीकी है पसंद, तो घूम आएं खारे पानी की झील वाले शहर 'जांगलदेश'

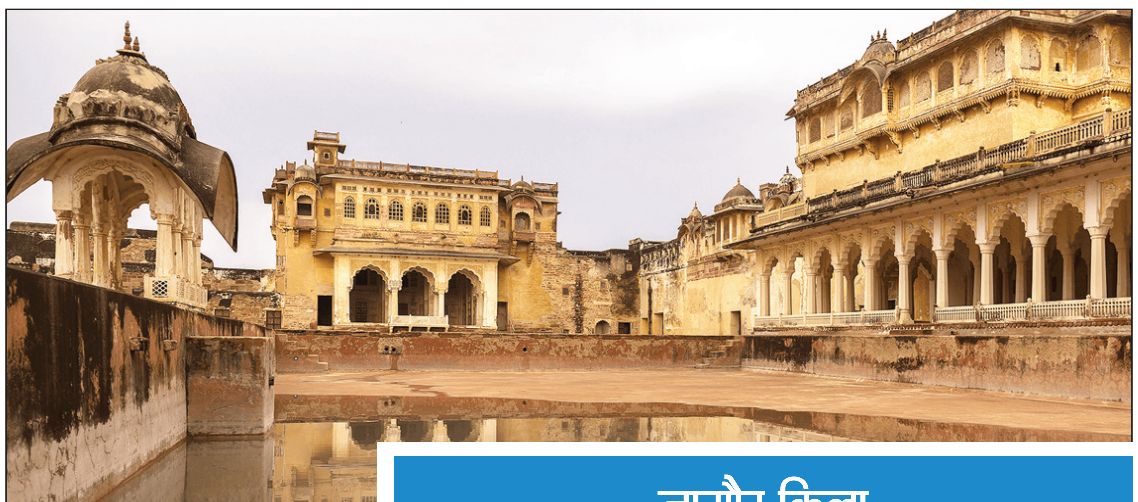

इन गर्मियों की छुट्टियों में अगर आप कहीं घूमने जाने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको अपनी मंजिल चुनने से पहले कुछ बातों पर गौर जरूर करना चाहिए। दरअसल, हर व्यक्ति को घूमने के लिए अलग-अलग तरह की जगहें पसंद होती हैं। ऐसे में अगर आपको इतिहास, प्राकृतिक विविधता और खूबसूरती भरे नजारे देखने हैं, तो ऐसी एक बहुत ही शानदार जगह है। जिसका नाम है, नागौर, जो देश के सबसे बड़े खारे पानी वाली झील का शहर है। माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म, कू ऐप पर राजस्थान पर्यटन विभाग द्वारा नियमित रूप से प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों के बारे में जानकारी दी जाती है। कुछ वक्त पहले राजस्थान टूरिज्म ने उत्तर-पश्चिम मेवाड़ इलाके में स्थित नागौर के बारे में पोस्ट शेयर की थी। उत्तर में चूरू, उत्तर पश्चिम में बीकानेर और पूर्वोत्तर में सीकर जिले से घिरे नागौर के दक्षिण में पाली और पश्चिम व दक्षिण पश्चिम में जोधपुर हैं। इसके अलावा पूर्व में जयपुर व दक्षिण पूर्व में अजमेर है। नागौर जिले के दक्षिण पूर्व में खूबसूरत अरावली श्रृंखला है, जबकि दक्षिण पश्चिम में भारत की सबसे बड़ी खारे पानी वाली सांभर झील है। राजस्थान के बीच में स्थित नागौर को महाभारत काल में जांगलदेश के नाम से पुकारा जाता था। मुगल बादशाह शाहजहां ने राजा अमर सिंह राठौर को यह भेंट के रूप में दिया था और यह थार रेगिस्तान में यह फैला हुआ है। इस शहर पर कई बार आक्रमण हुआ और नागवंश, चौहान, राठौड़, मुगल और अंग्रेजों ने सालों तक राज किया।

लाडनूं

समूचे भारत में सूती साड़ियों में यहां की साड़ियों को काफी बेहतरीन माना जाता है और इन साड़ियों को चटक रंग के साथ मुलायम कपड़े के लिए पसंद किया जाता है। 10वीं सदी में बसा यह स्थान जैन धर्म का महत्वपूर्ण केंद्र होने के साथ अहिंसा-करुणा का भी आध्यात्मिक केंद्र है।

खींवसर किला

एक हैरिटेज होटल के रूप में विकसित किए जा चुके इस किले के बारे में माना जाता है कि इसे भी द्वितीय शताब्दी में नागवंश शासक द्वारा निर्मित करवाया गया था। थार रेगिस्तान के पूर्वी किनारे पर स्थित इस किले के आसपास काले हिरण घूमते नजर आ जाते हैं।

कुचामन शहर

यहां बनी हवेलियां अपने शानदार वास्तुशिल्प के चलते शेखावाटी की हवेलियों से मिलती-जुलती दिखती हैं। यहां का सबसे महत्वपूर्ण कुचामन किला बहुत मशहूर है और दूर-दूर से लोग इसे देखने आते हैं। एक खड़ी पहाड़ी की चोटी पर बना यह राजस्थान का सबसे प्राचीन और दुर्गम किला है। इसके भीतर अपने आप में शानदार जल संचयन तकनीक, खूबसूरत महल के साथ अद्भुत भित्ति चित्र सैलानियों को काफी आकर्षित करते हैं। यहां पर जोधपुर के शासक की सोने-चांदी के सिक्कों की टकसालें भी मौजूद थीं। इस किले से ना केवल शहर बल्कि झील का मनोरम दृश्य और शहर के पुराने मंदिर, जाव की बावड़ी और खूबसूरत हवेली भी आसानी देखी जा सकती है।

नागौर किला

राजपूत और मुग़ल स्थापत्य कला के बेहतरीन नमूने के रूप में मौजूद नागौर के किले के बारे माना जाता है इसे द्वितीय शताब्दी में नाग राजवंश शासक द्वारा निर्मित करवाया गया था। इसके बाद 12वीं शताब्दी में पुनर्निर्माण हुआ। तमाम लड़ाइयों का साक्षी यह किला उत्तर भारत के पहले मुग़ल गढ़ों में से एक होने के नाते राजपूत-मुग़ल स्थापत्य शैली का शानदार उदाहरण है। वर्ष 2007 में यहां फव्वारे और खूबसूरत उद्यान के साथ पुनर्निर्माण हुआ और इसकी चमक में चार चांद लग गए। यह सूफी संगीत उत्सव के आयोजन के लिए मशहूर है।

अहिछत्रगढ़ किला और संग्रहालय

नागौर में बने अहिछत्रगढ़ को 'फोर्ट ऑफ हुडेड कोबरा' यानी 'नागराज का फन' का नाम दिया गया है। करीब 36 एकड़ क्षेत्रफल में फैले इस किले को 1985 में मेहरानगढ़ म्यूजियम ट्रस्ट के संरक्षण में सौंप दिया गया था। यहां के महलों में ऐतिहासिक राजसी कुर्सी, मेज, सोफा, पलंग आदि लगे हुए हैं और दीवारों पर शाही चित्रकारी के अलावा बेहतरीन सजावटी सामान मौजूद है। 2002 में नागौर किले को संस्कृति विरासत संरक्षण के लिए यूनेस्को एशिया के पैसिफिक हैरिटेज अवार्ड से सम्मानित किया गया।

झोरड़ा

नागौर का झोरड़ा एक छोटा गांव है और कवि 'कानदानकल्पित' तथा प्रसिद्ध सूफी संत 'बाबा हरिराम' की जन्मस्थली है और इसके मशहूर होने की भी वजह है। हर साल भाद्रपद की चतुर्थी-पंचमी को सालाना मेला लगता है, जिसमें दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान और उत्तर प्रदेश समेत अन्य स्थानों के लोग आते हैं।

खाटू

पृथ्वीराज रासो के मुताबिक खाटू का नाम 'खटवन' था और अब प्राचीन खाटू तकरीबन समाप्त हो चुका है। अब 'बड़ी खाटू' और छोटी खाटू' नामक दो गांव हैं। छोटी खाटू में पृथ्वीराज चौहान द्वारा पहाड़ी पर बनवाए गए एक छोटे किले के अवशेष बचे हुए हैं। यहां 'फूल बावड़ी' है, जिसके बारे में मान्यता है कि इसे गुर्जर-प्रतिहार काल के दौरान निर्मित किया गया था और यह वास्तुकला का अद्भुत कलात्मक नमूना है।

कैसे पहुंचे नागौर

यहां पहुंचने के लिए सबसे नजदीकी एयरपोर्ट जोधपुर में है और यह 137 किलोमीटर दूर है। जबकि जोधपुर, जयपुर और बीकानेर जैसे शहरों से नागौर तक सड़क मार्ग से बस सेवा उपलब्ध हैं।

मीरा बाई स्मारक

यहां पर लाइट-साउंड शो के जरिए मीरा बाई का पूरा जीवन दिखाया जाता है। इसमें बचपन, भगवान श्रीकृष्ण के प्रति प्रेम, उनको पति और आराध्य मानने का किस्सा, मेवाड़ के राजकुमार के साथ मीरा बाई के विवाह, पति की मृत्यु, राजसी वैभव त्यागकर वैराग्य के मार्ग पर जाने, वृंदावन-द्वारका में प्रवास को बेहतरीन रंग-बिरंगी रोशनी, ऑडियो के जरिए लुभावने ढंग से प्रदर्शित किया जाता है। इस दौरान मीरा बाई से जुड़े संगीतमय भजनों से पूरा माहौल भक्तिमय हो जाता है।

बड़े पीर साहब दरगाह

मशहूर पवित्र स्थान होने के चलते बड़े पीर साहब की दरगाह को 17 अप्रैल 2008 को बतौर संग्रहालय के रूप में भी खोल दिया गया। यहां मशहूर कुरान शरीफ है, जिसे हजरत सैयद सैफुद्दीन अब्दुल जीलानी ने सुनहरी स्याही में लिखा था। इसके साथ उनकी छड़ी, पगड़ी/टोपी के साथ ऐतिहासिक महत्व की तमाम चीजें भी मौजूद हैं। यहां 1805 तक के प्राचीन भारतीय सिक्के, अब्राहम लिंकन की छवि वाले अमेरिकी सिक्के भी मौजूद हैं।

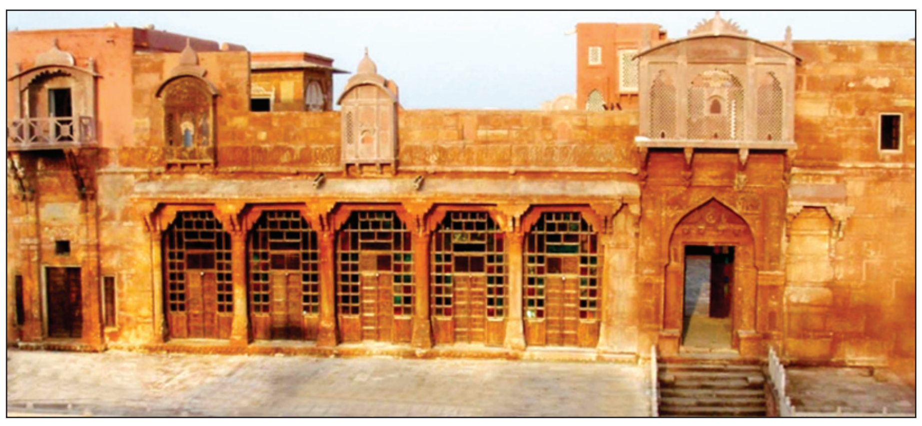

राशन दुकानों पर चलेगा सघन निरीक्षण अभियान, रिकॉर्ड व स्टॉक में गड़बड़ी पर होगी कार्रवाई

निसं

सरदारशहर (नवयत्न)। क्षेत्र की राशन दुकानों में पारदर्शिता और वितरण व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से रसद विभाग ने राशन डीलरों को सख्त निर्देश जारी किए हैं। गुरुवार को पंचायत समिति सभागार में आयोजित बैठक में प्रवर्तन अधिकारी संजीव गढ़वाल ने स्पष्ट किया कि जुलाई माह में शहरी और ग्रामीण क्षेत्र की सभी उचित मूल्य दुकानों का सघन निरीक्षण किया जाएगा।

निरीक्षण के दौरान रिकॉर्ड, स्टॉक और वितरण व्यवस्था में किसी प्रकार की अनियमितता मिलने पर संबंधित डीलर के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। बैठक में गढ़वाल ने कहा कि कई बार निरीक्षण के दौरान राशन डीलर दुकान पर अनुपस्थित पाए जाते हैं तथा आवश्यक अभिलेख उपलब्ध नहीं कराते, जिससे विभागीय कार्य प्रभावित होता है। उन्होंने सभी डीलरों को रिकॉर्ड नियमित रूप से अपडेट रखने, पीओएस मशीनों में स्टॉक की सही प्रविष्टि सुनिश्चित करने तथा विभागीय दिशा-निर्देशों की पूर्ण पालना करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि कुछ दुकानों की पीओएस मशीनों में गेहूं का स्टॉक वास्तविक मात्रा से कम प्रदर्शित हो रहा है। ऐसे मामलों को तुरंत दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि आगामी निरीक्षण में किसी प्रकार की समस्या सामने न आए। बैठक में राशन डीलर यूनियन अध्यक्ष विक्रम सिंह सारसर ने डीलरों की विभिन्न समस्याओं से विभागीय अधिकारियों को अवगत कराया और उनके समाधान की मांग रखी। इस दौरान राशन डीलरों की ओर से प्रवर्तन अधिकारी संजीव गढ़वाल का स्वागत एवं सम्मान भी किया गया।

वितरण व्यवस्था सुधारने पर जोर

अधिकारियों ने डीलरों को राशन दुकानों पर साफसफाई बनाए रखने, उपभोक्ताओं के साथ बेहतर व्यवहार करने तथा वितरण व्यवस्था को सुव्यवस्थित रखने के निर्देश दिए। विभाग का कहना है कि पात्र उपभोक्ताओं तक समय पर और पारदर्शी तरीके से राशन पहुंचाना प्राथमिकता है।

ये रहे मौजूद

बैठक में सहकारी समितियों के नए अध्यक्ष रामभक्त सिंह, पंचायत समिति सदस्य इंद्र सिंह शेखावत, व्यवस्थापक संघ अध्यक्ष रामभगत सिंह,

दुलाराम चोहान, शहर अध्यक्ष राजकुमार शर्मा, जिला उपाध्यक्ष चुन्नीलाल तेतरवाल, जिला सचिव शकर लाल सैनी, जिला संगठन सचिव भवानी शंकर, पुर्व अध्यक्ष बाबूलाल शर्मा, महामंत्री राजेंद्र शर्मा, पुलारम अशोक कुमार महेंद्र नेण साहबराम, चरणपकाश, प्रमोद कुमार भंवरलाल शर्मा मेलूसर सहदेव शर्मा जोशी, पुलाराम, हेमंत सिंह, गोवर्धन, सुनील पारीक,अशोक कुमार पारीक, चुन्नीलाल तेतरवाल, राजवीर सिंह राठौड़, महेंद्र नैण सहित बड़ी संख्या में राशन डीलर उपस्थित रहे।

केकेसी पीजी कॉलेज में प्रतिभा सम्मान समारोह का भव्य आयोजन

निसं

सरदारशहर (नवयत्न)। शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धियों को प्रोत्साहित करने एवं मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित करने के उद्देश्य से स्थानीय केकेसी पीजी कॉलेज परिसर में एक भव्य प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर की परीक्षाओं में उत्कृष्ट परिणाम हासिल करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में विद्यार्थी, अभिभावक, शिक्षक एवं शहर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय चेयरमैन डॉ. किशोर सिंह राठौड़, लेफ्टिनेंट विरेंद्र सिंह राठौड़, लायंस क्लब सचिव मुबारक तुगलक एवं व्याख्याता सुशील कुमार निर्वाण द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके पश्चात महाविद्यालय परिवार द्वारा सभी अतिथियों का गर्मजोशी से स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। समारोह में विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए उनके कठिन परिश्रम, लगन एवं अनुशासन की भूरि-भूरि प्रशंसा की गई। महाविद्यालय के चेयरमैन डॉ. किशोर सिंह राठौड़ ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा कि शिक्षा केवल परीक्षा में अंक प्राप्त करने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह व्यक्तित्व और सशक्त राष्ट्र निर्माण की मजबूत आधारशिला है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार चौहान ने कहा कि आज सम्मानित होने वाले विद्यार्थी अन्य छात्र.छात्राओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उनकी सफलता यह सिद्ध करती है कि निरंतर प्रयास और सकारात्मक सोच से कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। समारोह के दौरान विभिन्न कक्षाओं एवं संकायों में उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया। विद्यार्थियों की इस सफलता में उनके अभिभावकों की सकारात्मक भूमिका को भी मंच से विशेष रूप से सराहा गया। महाविद्यालय के उपप्राचार्य महबूब अली चौहान ने कहा कि किसी भी विद्यार्थी की सफलता में उसके माता-पिता एवं गुरुजनों का समान और महत्वपूर्ण योगदान रहता है। अभिभावक मुबारक तुगलक ने विद्यार्थियों को जीवन में उच्च लक्ष्य निर्धारित करने तथा शिक्षा के साथ-साथ नैतिक मूल्यों को आत्मसात करने की प्रेरणा दी। व्याख्याता सुशील कुमार निर्वाण ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रतिस्पर्धा के इस वर्तमान दौर में निरंतर अध्ययन और दृढ़ आत्मविश्वास ही सफलता की वास्तविक कुंजी है। कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय का समस्त शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक स्टाफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम का सफल व शानदार संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी जगदीश कुमार द्वारा किया गया।

ईमानदारी की मिसाल : स्नैक केचर छीतर मल सैन ने लौटाया महंगा मोबाइल

निसं

दांतारामगढ़ (नवयत्न)। दांता के खेड़ापति बालाजी मंदिर जाने वाले रास्ते पर ईमानदारी की मिसाल देखने को मिली। दैपुर निवासी स्नैक केचर छीतरमल सैन बाइक से जा रहे थे, इसी दौरान उन्हें रास्ते में एक महंगा मोबाइल फोन पड़ा मिला।

छीतरमल सैन ने मोबाइल को सुरक्षित अपने पास रख लिया। कुछ समय बाद मोबाइल पर फोन आया। कॉल करने वाले ने अपना नाम सुरेश बंसल पुत्र बसंतीलाल पंसारी निवासी दांता बताया और कहा कि यह फोन उनकी बेटी का है। इस पर छीतरमल सैन ने उन्हें भरोसा दिलाया कि उनका मोबाइल सुरक्षित हाथों में है। सुरेश बंसल के कहने पर छीतर मल सैन दांता के ठा. मदन सिंह मार्केट पहुंचे और मोबाइल फोन उसकी मालिक बच्ची को वापस लौटा दिया। मोबाइल मिलने पर सुरेश बंसल ने छीतरमल सैन की पीठ थपथपाकर उनकी ईमानदारी की सराहना की। गौरतलब है कि छीतर मल सैन स्नैक केचर और गोताखोर के रूप में भी सेवा कार्य करते हैं। वे वन्य जीवों को बचाने का कार्य करते हैं। इससे पहले भी वे लाखों रुपये के गहने लौटाकर अपनी ईमानदारी और मानवता का परिचय दे चुके हैं।

एक अभियुक्त निवासी परसनेउ को साक्ष्य के अभाव में बरी

निसं

रतनगढ़ (नवयत्न)। रतनगढ़ में अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश सुरेन्द्र कौशिक द्वारा न्यायालय में हत्या के एक विचाराधीन प्रकरण में एक अभियुक्त लक्ष्मणराम पुत्र गोगाराम निवासी परसनेउ को साक्ष्य के अभाव में बरी और अभियुक्त रामूराम पुत्र लूणाराम निवासी परसनेउको हत्या के जुर्म में आजीवन कारावास और अर्थदंड से दंडित कर जेल भेज दिया है। अपर लोक अभियोजक एडवोकेट डॉ. जया कांत बिंवाल ने बताया कि प्रकरण थाना राजलदेसर में 166/24 अपराध अंतर्गत धारा 103 (1), 351(3), 3 (5) बी एन एस एवं 3/27 आर्म्स एक्ट में रामसिंह पुत्र लूणसिंह की उसके बाबोसा के खेत में हत्या करने के जुर्म में दर्ज किया जाकर अभियुक्त रामूराम एवं लक्ष्मणराम को थानाधिकारी गीता रानी द्वारा गिरफ्तार किया गया था। न्यायधीश अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश ने अभियोजन द्वारा प्रस्तुत 19 गवाहों के बयान और अभियोजन द्वारा प्रस्तुत 49 समस्त दस्तावेजात के आधार पर अभियुक्त रामूराम को धारा 103 (1) बी एन एस में आजीवन कारावास और 25000 के अर्थदंड से दंडित किया गया, अदम अदायगी जुर्माना 6 माह का कठोर कारावास भुगताया जाएगा, धारा 3 (25) 1 आर्म्स एक्ट में 3 वर्ष का कठोर कारावास और 5000 के जुर्माने एवं धारा 5 (27) आर्म्स एक्ट में 5 साल के कठोर कारावास और 10000 रुपए के अर्थदण्ड से दंडित किया गया। अदम अदायगी जुर्माना दो माह का कठोर कारावास भुगताया जाएगा। सभी सजाए साथ साथ चलेगी। सजायाब अभियुक्त रामूराम को सजा भुगतने हेतु तुरंत जेल भेज दिया गया, साथ ही अन्य अभियुक्त लक्ष्मणराम को संदेह के आधार पर पर्याप्त साक्ष्य नहीं होने पर इस प्रकरण में बरी कर दिया। राज्य सरकार की और से इस प्रकरण में प्रभावी पैरवी अपर लोक अभियोजक एडवोकेट डॉ जया कांत बिंवाल ने की।

मोदी सरकार में 682 करोड़ से 10,828 करोड़ तक पहुंचा रेल बजट : अश्विनी वैष्णव

निसं

जयपुर (नवयत्न)। केंद्रीय रेल, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को भाजपा प्रदेश मुख्यालय में आयोजित मीडिया संवाद कार्यक्रम में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्षों में राजस्थान को रेलवे और आधारभूत संरचना विकास के क्षेत्र में अभूतपूर्व लाभ मिला है। उन्होंने कहा कि यूपीए सरकार के समय राजस्थान को रेलवे के लिए मात्र 682 करोड़ रुपए का बजट मिलता था, जिसे मोदी सरकार ने बढ़ाकर 10,828 करोड़ रुपए कर दिया है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में राजस्थान में करीब 76 हजार करोड़ रुपए की लागत से विभिन्न रेल विकास परियोजनाओं पर कार्य चल रहा है। राज्य के 85 रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास और आधुनिकीकरण किया जा रहा है। इनमें जयपुर रेलवे स्टेशन की सेकंड एंट्री, गांधी नगर जयपुर स्टेशन के पुनर्निर्माण सहित जैसलमेर, जोधपुर, अलवर, बीकानेर, कोटा, अजमेर, आबूरोड, पाली मारवाड़ और जालोर जैसे प्रमुख स्टेशन शामिल हैं। वैष्णव ने कहा कि कोविड-19 के बाद राजस्थान को 46 नई रेलगाड़ियां मिली हैं। इनमें जोधपुर-दिल्ली, जोधपुर-पुणे, जैसलमेर-दिल्ली और बीकानेर-दिल्ली जैसी महत्वपूर्ण रेल सेवाएं शामिल हैं। साथ ही अजमेर-जयपुर-दरभंगा रेल सेवा को नियमित रूप से संचालित करने का निर्णय लिया गया है। जयपुर-अजमेर सहित विभिन्न मार्गों पर वंदे भारत ट्रेनों का संचालन भी शुरू किया गया है। उन्होंने बताया कि आगरा-बांदीकुई, अजमेर-चित्तौड़गढ़, रींगस-सीकर, सवाई माधोपुर-जयपुर और लूणी-भीलड़ी रेल लाइन डबलिंग परियोजनाओं पर तेजी से काम चल रहा है। वहीं देवगढ़ मदारिया-नाथद्वारा, नीमच-बड़ी सादड़ी, पुष्कर-मेड़ता और रामगंजमंडी-भोपाल नई रेल लाइन परियोजनाएं भी प्रगति पर हैं। औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए राज्य में 24 गति शक्ति कार्गो टर्मिनल विकसित किए जा रहे हैं। इनमें 10 टर्मिनल तैयार हो चुके हैं, 6 पर कार्य जारी है और 8 परियोजनाओं को स्वीकृति मिल चुकी है। इसके अलावा 560 किलोमीटर लंबे फ्रेट कॉरिडोर के तहत राजस्थान को 14, 700 करोड़ रुपए के निवेश का लाभ मिल रहा है। रेल मंत्री ने जयपुर के लिए दो महत्वपूर्ण घोषणाएं करते हुए कहा कि शहर में अत्याधुनिक एआई डेटा सेंटर स्थापित किया जाएगा तथा जयपुर को मेडिकल हब के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके साथ ही एमएनआईटी जयपुर में क्वांटम लैब, सेमीकंडक्टर लैब और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस लैब स्थापित की जाएंगी। इससे पूर्व रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ और संगठन महामंत्री अजेय कुमार ने मोदी सरकार के 12 वर्षों की उपलब्धियों पर आधारित प्रदर्शनी का उद्घाटन भी किया।

गोविंददेवजी मंदिर में हुए जल यात्रा के अद्भुत दर्शन

ठाकुरजी को लगाया 100 किलो आम का भोग

निसं

जयपुर (नवयत्न)। जयपुर के आराध्य देव मंदिर श्री गोविंद देव जी महाराज में गुरुवार को द्वितीय ज्येष्ठ कृष्ण अधिक एकादशी परमा एकादशी के पावन अवसर पर विशेष धार्मिक आयोजन हुए। मंदिर के श्री गोविंद धाम महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सान्निध्य में राजभोग झांकी के बाद ठाकुर जी के अद्भुत जल यात्रा दर्शन हुए। जिसे निहारने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़े।

पंचामृत अभिषेक और नटवर वेश श्रृंगार

गोविंद देवजी मंदिर के सेवा अधिकारी मानस गोस्वामी ने बताया कि धार्मिक कार्यक्रमों की शुरुआत तड़के मंगला झांकी के पश्चात हुई। वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच ठाकुर श्रीजी का पंचामृत अभिषेक किया गया। इसके बाद ठाकुरजी को सफेद-लाल बूटियों वाली नटवर वेश पोशाक से अलंकृत कर भव्य श्रृंगार धराया गया। ठाकुरजी ने विशेष फूलों से बने अलंकार और मुकुट भी धारण किया।

सोने की पिचकारी और ऋतुफल का भोग

राजभोग झांकी के दौरान सुबह 11:15 बजे से 11:45 बजे तक जल यात्रा झांकी के विशेष दर्शन हुए। इस दौरान ठाकुर श्रीजी एवं राधा रानी जी के करकमलों में सोने की पिचकारी धराई गई। भीषण गर्मी से ठाकुरजी को शीतल सुख प्रदान करने के लिए ऋतुफल जैसे खरबूजा, तरबूज और सिकरान पूड़ी का विशेष भोग अर्पित किया गया। इसके साथ ही श्आम महोत्सव के भाव से ठाकुरजी को सेवा के तहत 100 किलो आम मनोरथ अर्पित किया गया।

अगले दर्शन 15 जून को

गोविंद देवजी मंदिर के सेवा अधिकारी मानस गोस्वामी के अनुसार जलयात्रा उत्सव श्रृंखला के तहत अगले विशेष दर्शन अमावस्या के अवसर पर आगामी 15 जून 2026 को होंगे। श्रद्धालु इस दिन सुबह 11:15 बजे से 11:45 बजे तक जल यात्रा के दर्शन कर सकेंगे।

गौ माता को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाने के लिए जयपुर में हुआ शंखनाद

निसं

जयपुर (नवयत्न)। गौमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाने की मांग को लेकर देशव्यापी स्तर पर चलाए जा रहे गौ माता सम्मान आह्वान अभियान के दूसरे चरण की सफलता के लिए आज से राजधानी में एक बड़े आंदोलन की शुरुआत हुई। सांगानेर स्थित श्री पिंजरापोल गौशाला के सुरभि भवन में गुरुवार से तीन दिवसीय भव्य गौ कथा का शुभारंभ हुआ। कामधेनु गौ भक्त महिला मंडल, जयपुर के तत्वावधान में आयोजित इस कथा के प्रथम दिन मंदिर परिसर से एक भव्य कलश यात्रा निकाली गई। गाजे-बाजे और गौमाता के संग निकाली गई इस यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाएं सिर पर कलश धारण कर मंगल गीत गाती हुई शामिल हुईं, जिससे पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। कथा के शुभारंभ पर ब्रह्म पीठाधीश्वर संत रामरतनदास महाराज, महामंडलेश्वर हरिशंकरदास वेदांती तथा महामंडलेश्वर मनोहरदास महाराज सहित अनेक पूज्य संतों-महंतों के सान्निध्य में विधि-विधान से व्यास पूजन और गौमाता का पूजन किया गया। व्यासपीठ से श्रद्धालुओं को कथा श्रवण कराते हुए गौ, पर्यावरण एवं अध्यात्म चेतना पदयात्रा के प्रणेता तथा गोपाल परिवार के संस्थापक ग्वाल संत गोपाल महाराज ने कहा किए गौमाता में सभी देवी-देवताओं का वास होता है, इसके बावजूद देश में आज गौमाता की हत्या हो रही है। यह संपूर्ण सनातन समाज के माथे पर एक बड़ा कलंक है। अब भारत भूमि पर हर हाल में गौहत्या रुकनी चाहिए। कथा के दौरान वहां मौजूद विशाल जनसमूह और देश के विभिन्न कोनों से आए साधु-संतों ने एक सुर में हाथ उठाकर गौमाता को राष्ट्रमाता बनाने का सामूहिक संकल्प लिया। यह गौ कथा आगामी 13 जून तक प्रतिदिन शाम 5 बजे से रात्रि 8 बजे तक आयोजित की जाएगी। इसमें आमजन को गौ सेवा से जुड़ने का अवसर मिलेगा। कथा के आयोजकों ने बताया कि इस त्रि-दिवसीय आयोजन का मुख्य उद्देश्य गौ सेवा को एक बड़े जनआंदोलन का स्वरूप देना है। इसके माध्यम से समाज में गौ संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने और गोमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाने के लिए व्यापक प्रयास किए जा रहे हैं। कथा के आगामी दिनों में प्रदेशभर के प्रमुख संत-महात्माओं का सान्निध्य प्राप्त होगा, जो श्रद्धालुओं को गौ संरक्षण, संवर्धन एवं इस राष्ट्रव्यापी जनजागरण अभियान की बारीकियों से अवगत कराएंगे और अधिकाधिक लोगों को इस अभियान से जुड़ने के लिए प्रेरित करेंगे।

जन सुनवाई में उठी अनेक समस्याएं

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। स्थानीय पंचायत समिति में गुरुवार को आयोजित जनसुनवाई में अतिरिक्त जिला कलेक्टर संतोष मीणा, तहसीलदार गिरधारीलाल पारीक ने परिवादियों की जन समस्याएं सुनी। जनसुनवाई में वार्ड 57 के निवासी प्रभात पींचा ने बंद गली के अवरुद्ध किये गए नाले को खोलने की मांग की। पींचा ने कहा कि मौहल्ले के अन्य लोगों के द्वारा नाले को अवरुद्ध कर दिया गया है, जिस कारण पानी निकासी के लिए उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसी प्रकार सुजानगढ़ के कोतवाली थाने में लंबे समय से कार्यरत पुलिस कर्मियों के स्थानांतरण की मांग उठी। मोहम्मद अजरूद्दीन ने ज्ञापन देकर बताया कि कोतवाली थाने में ऐसे कई पुलिसकर्मी हैं, जो कई वर्षों से डटे हुए है। जिस कारण कानून व्यवस्था निष्पक्ष नहीं है। उन्होंने वर्षों से पदस्थापित पुलिस कर्मियों का तबादला करने की मांग की है। इसी प्रकार विनोद खटीक ने सुजानगढ़ में बढ़ रही नशा खोरी पर पाबंदी लगाने की मांग की है। नशे खोरी से युवा दल-दल में फंस रहे है। जनसुनवाई में सामाजिक सुरक्षा अधिकारी बाबूलाल, अतिरिक्त ब्लॉक शिक्षा अधिकारी मंजू पंवार, विद्युत विभाग के अधिशाषी अभियंता अनिल बरवड, बीसीएमएचओ डॉ. भूपेंद्र, सहायक विकास अधिकारी रामानंद फलवाडिया सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

एक ही परिवार के दो बच्चों ने बढ़ाया गांव का मान, भाई बना असिस्टेंट प्रोफेसर तो बहन का आरपीएफ में चयन

निसं

सरदारशहर (नवयत्न)। निकटवर्ती बंधनाऊ दिखनादा गांव के लिए गर्व का अवसर तब बना जब सेवानिवृत्त भारतीय सीमा सुरक्षा बल बीएसएसफ के जवान सहीराम सारण के पुत्र और पुत्री दोनों का राजकीय सेवाओं में अंतिम रूप से चयन हुआ।

इस उपलब्धि पर परिवारजनों और ग्रामीणों ने दोनों का माला पहनाकर तथा मुंह मीठा करवाकर अभिनंदन किया। सहीराम सारण के सुपुत्र डॉ सांवरमल सारण का राजस्थान सरकार के उच्च शिक्षा विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर पद पर चयन हुआ है। उन्होंने प्रदेश स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए ऑल राजस्थान 12वीं रैंक प्राप्त की है। वहीं उनकी सुपुत्री किरण सारण का चयन भारत सरकार के रेलवे विभाग में रेलवे सुरक्षा बल आरपीएफ पद पर हुआ है। एक ही परिवार से भाई-बहन के सरकारी सेवाओं में चयन होने से गांव में खुशी का माहौल है। ग्रामीणों ने इसे युवाओं के लिए प्रेरणादायक उपलब्धि बताते हुए दोनों को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर डॉ. सांवरमल सारण ने अपनी सफलता का श्रेय अपने दादा दुलाराम सारण, माता-पिता तथा परिवार के अन्य सदस्यों को देते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन, अनुशासन और निरंतर प्रेरणा ने उन्हें यह मुकाम हासिल करने में मदद की। उन्होंने युवाओं से लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर मेहनत करने का आह्वान किया।

बेदखली सूचना

मैं, गुड़िया पत्नी श्री हवा सिंह, निवासी वार्ड नं. 14, खेदड़ा की ढाणी, गुढ़ा गौड़जी, जिला झुंझुनूं, अपने पुत्र किस्मत पुत्र श्री हवा सिंह को उसके अनुचित, लगातार मानसिक - सामाजिक एवं पारिवारिक कष्ट पहुंचाए जाने के कारण दिनांक 23.05.2026 से अपनी समस्त चल-अचल संपत्ति, पारिवारिक अधिकारों एवं उत्तराधिकारी संबंधी दावों से बेदखल घोषित करती हूँ। भविष्य में उसके किसी भी ऋण, लेन-देन, विवाद अथवा गैरकानूनी कार्य के लिए मैं एवं मेरा परिवार उत्तरदायी नहीं होंगे।

– गुड़िया पत्नी श्री हवा सिंह

कार्यालय नगर पालिका खण्डेला (सीकर) राज0

क्रमांकःनपाख / 2026–27 / 1065 दिनांक :– 08.06.2026

बोली आमंत्रण सूचना

नगरपालिका खण्डेला की ओर से वित्तीय वर्ष 2026–27 में निर्माण / विकास करवाये जाने हेतु उपर्युक्त श्रेणी में विभिन्न राजकीय विभागों में पंजीकृत संवेदको से बोली आमंत्रित की जाती है। बोली की विस्तृत जानकारी http://sppp.rajasthan.gov.in व http://eproc.gov.in पर निम्नलिखित यूबीएन क्रमांक द्वारा देखी जा सकती है:–

S.No.	NIB NO- DLB2627A2767
1.	UBN No :- DLB2627WSRC06894
2.	UBN No :- DLB2627 WSRC06895

राज.संवाद / सी / 26 / 4612 अधिशाषी अधिकारी

खेतड़ी क्षेत्र में जंगली जानवर का आतंक बरकरार, अशोक नगर में पांच बकरियों का किया शिकार

निसं

खेतड़ी (नवयत्न)। खेतड़ी क्षेत्र क्षेत्र में जंगली जानवर का आतंक बरकरार है। जंगली जानवर ने लगातार दूसरे दिन अशोकनगर में शिकार की घटना को अंजाम देते हुए पांच बकरियो का शिकार कर लिया। लगातार हो रही घटनाओं को लेकर ग्रामीणों में रोष पनप रहा है। अशोकनगर निवासी पशुपालक राम सिंह ने बताया कि रात्रि में बकरियों के बाडे में घुसकर अज्ञात जंगली जानवर ने पांच बकरियों का शिकार कर लिया। जिससे पांचो बकरियों की मौत हो गई। जंगली जानवर द्वारा बकरियों की शिकारी सूचना मिलने पर ग्रामीण मनीराम कटारिया, रणवीर सिंह, कल्याण सिंह, प्रभु सिंह, धर्मपाल सिंह सहित दर्जनो ग्रामीण मौके पर पहुंचे। समस्त ग्रामीण ने वन विभाग से मांग की कि खेतड़ी बांशियाल वन्य जीव अभ्यारण में जंगली जानवर तो छोड़ दिए है, लेकिन उनकी चार दिवारी चार-चार फिट बनाई गई है तथा जंगल में पानी की समुचित व्यवस्था नहीं होने से जंगली जानवर आबादी क्षेत्र में आ जाते हैं एवं मवेशियों का शिकार कर लेते हैं। वन विभाग ऐसी व्यवस्था करें कि जंगली जानवर आबादी क्षेत्र में नहीं आए तथा बकरी पालक को उचित मुआवजा दिया जाए। ग्रामीणों ने बताया कि क्षेत्र में काफी घटनाएं हो चुकी है, लेकिन अभी तक किसी भी पशुपालकों को मुआवजा नहीं मिला है। क्षेत्र के काफी लोग पशुपालन कर अपने परिवार का पालन पोषण करते हैं, जिनके सामने आर्थिक संकट बन रहा है।

टैक्सी से आए चोर घर का ताला तोड़कर चुरा ले गए जेवरात और विदेशी मुद्रा

निसं

जयपुर (नवयत्न)। प्रतापनगर थाना क्षेत्र में चोरों ने एक सूने मकान को निशाना बनाते हुए लाखों रुपए के जेवरात, नकदी और विदेशी मुद्रा पर हाथ साफ कर दिया। वारदात के समय परिवार किसी आवश्यक कार्य से अजमेर गया हुआ था। पीछे से बदमाश मकान का ताला तोड़कर अंदर घुस गए और अलमारियों में रखे कीमती सामान चोरी कर फरार हो गए। घटना घर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है, जिसमें चोर टैक्सी से आते दिखाई दे रहे हैं। जांच अधिकारी एसआई झंडू राम ने बताया कि सेक्टर-19 प्रतापनगर निवासी 66 वर्षीय नरेश कुमार पुत्र साधुराम ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है कि 7 जून को दोपहर करीब 2 बजे वह परिवार सहित अजमेर गए थे। 8 जून को सुबह करीब 4:30 बजे लौटने पर मकान का मुख्य ताला टूटा हुआ मिला और घर के दरवाजे खुले हुए थे। घर के अंदर जाकर देखा तो दो अलमारियां टूटी हुई थीं और उनमें रखा कीमती सामान गायब था। चोर तीन सोने की चेन, चार सोने के लॉकेट, दस सोने की अंगूठियां, पांच जोड़ी सोने के कानों के आभूषण, एक सोने की नथ, एक सोने का लॉग, एक सोने का मंगलसूत्र, दो सोने के कंगन, एक सोने की गिन्नी, तीन चांदी की पायल, एक चांदी का ब्रेसलेट, 80 चांदी के सिक्के, दो चांदी के कंगन तथा दो चांदी की गाय-तुलसी चोरी कर ले गए। इसके अलावा बदमाश घर में रखे 50 हजार रुपए नकद और 4000 अमेरिकी डॉलर भी साथ ले गए। चोरी गए सामान की कुल कीमत लाखों रुपए आंकी जा रही है। पीड़ित की सूचना पर प्रतापनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि बदमाश टैक्सी से मौके पर पहुंचे थे। पुलिस फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान कर उनकी तलाश में जुटी हुई है।

पूर्व सीआरपीएफकमांडेंट सायर सिंह शेखावत को राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई

निसं

बुगाला (नवयत्न)। जाखल निवासी एवं सीआरपीएफ के सेवानिवृत्त कमांडेंट ठा. सायर सिंह शेखावत के निधन पर पैतृक गांव के मुक्तिधाम में राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में ग्रामीणों, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों तथा परिजनों ने भाग लेकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। ठा. सायर सिंह शेखावत को क्षेत्र के वरिष्ठ, बुद्धिजीवी एवं समाजसेवी व्यक्तित्व के रूप में जाना जाता था। उन्होंने अपने जीवनकाल में सामाजिक सरोकारों एवं जनहित के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाई। उनके निधन से क्षेत्र में शोक की लहर व्याप्त है। अंतिम संस्कार के दौरान सीआरपीएफ के जवानों ने राजकीय सम्मान के साथ उन्हें अंतिम सलामी दी। इस अवसर पर उनके पुत्र मनोहर सिंह शेखावत, प्रमोद सिंह शेखावत, रविंद्र सिंह शेखावत एवं नागेंद्र सिंह शेखावत सहित समस्त परिवारजन उपस्थित ग्रामीणों और गणमान्य लोगों ने पुष्पांजलि अर्पित कर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। शेखावत का जीवन अनुशासन, सेवा और समाजहित के प्रति समर्पण का उदाहरण रहा। उनकी सेवाओं और योगदान को क्षेत्र हमेशा याद रखेगा। अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में लोगों की मौजूदगी उनके प्रति जनमानस के सम्मान और प्रेम को दर्शाती है।

पिता पुत्र, भाई बहिन, भाई-भाई ने किया जरुरतमंदो के लिए रक्तदान

सुजानगढ़ (नवयत्न)। रक्त की अनुपलब्धता के चलते लगातार रक्तदाता टीम हारे का सहारा संयोजक श्याम स्वर्णकार की प्रेरणा ओर अपील से बेहद जरुरत मंद अनजान मरीजों के लिए हर समय रक्तदान कर उनको जीवन दान दे रहे है। इसी क्रम मे व्यवसायी संदीप बेड़िया ने अपने पुत्र हर्ष बेड़िया के साथ, तरुण प्रजापत ने अपनी बड़ी बहिन सरोज प्रजापत के साथ, रामचंद्र खत्री ने अपने भाई गिरधारी खत्री के साथ सुजानगढ़ ब्लड बैंक पहुंचकर रक्तदान किया। इसके साथ ही मुकेश सोनी, भगवानाराम गोदारा, मालकसर, आरिफ, आनंद सिंह, देवेंद्र जांगिड़, शिवनारायण सारण पारेवड़ा, भवानी शंकर गाड़गिल ठरड़ा, सूर्य प्रकाश सैन आबसर ने भी बेहद आपात स्थिति में ब्लड बैंक सुजानगढ़ पहुंच कर बेशकीमती रक्तदान किया।

स्नेह मिलन समारोह के बाद नांगल की बाईसा, और बुआसा, पीहर की मीठी यादें लेकर हो रही विदा

निसं

श्रीमाधोपुर (नवयत्न)। समाज को एकता के सूत्र में पिरोने वाले स्नेह मिलन समारोह के बाद मीठी यादें लिए अपने पीहर नांगल से अपने-अपने ससुराल को विदा होने लगी हैं बेटियां एवं बुआसाएं। नांगल मे बाईसा स्नेह मिलन समारोह के माध्यम से पीहर में बहिनों, बुआसाओं, सहेलियों व परिवार के साथ कुछ समय बिताने के बाद अब मीठी-मीठी यादों के साथ बाईसाएं अब अपने-अपने ससुराल विदा हो रही है। नांगल मे बाईसा स्नेह मिलन समारोह की संयोजिका सीमा कंवर ने बताया कि इस आयोजन के लिए संतोष कंवर एपारस कंवर, शोभा कंवर सोनू कँवर, प्रिया कंवर से संपर्क कर रूपरेखा बनाई गई ओर सभी के परिवारवालों ने हमारा सहयोग किया ओर सफल आयोजन हुआ। पिछले कुछ माह के समय में श्रीमाधोपुर उपखंड के क्षेत्र के अलग अलग गांवों में राजपूत समाज की विवाहित बेटियों के स्नेह मिलन समारोह आयोजित हुए हैं। इन सम्मेलनों में बड़ी संख्या में बेटियां शामिल हुई है। समाज में आयोजित इन सम्मेलनों के माध्यम से वर्षों बाद बचपन की सहेलियों का आपस में मिलन हुआ है। आपसी संपर्क प्रगाढ़ हुआ है। गांवों में भी भाईचारा बढ़ रहा है जिन गांवों में भी बाईसा, बुआसा स्नेह मिलन समारोह आयोजित हुए है उस गांव के लोगों ने आपसी सहयोग से इन सम्मेलनों को पूर्ण सफल बनाने के लिए एकजुट होकर अपना योगदान दिया है। क्षेत्र में हरिपुरा में हुआ आयोजन इसकी प्रेरणा बना उसके बाद पारोडाए नाथूसर, पृथ्वीपुरा, लिसाडिया, नांगल सहित गांवों में बाईसा, बुआसा स्नेह मिलन समारोह आयोजित किये जा चुके है, मानगढ़ में स्नेह मिलन समारोह होने वाला है। हाल ही में लिसाडिया ओर नांगल में आयोजित बाईसा स्नेह मिलन समारोह से गांव में एक बड़े उत्सव का सा माहौल नजर आया था। समारोह के आयोजन में सोशल मीडिया भी सहयोगी रहा है। इसके द्वारा गांव की बेटियां आपस में संपर्क में रहकर इन आयोजनों की रूपरेखा बनाकर परिजनों के सहयोग से मूर्तरूप दे रही हैं। नांगल में समारोह की संयोजिका सीमा कंवर ने बताया कि विवाह के बाद सहेलियों व पड़ोस की बहिनों से शादी समारोह के अवसर पर ही मुलाकात हो पाती थी। किंतु ऐसे स्नेह मिलन समारोह आयोजित होने पर समाज की सभी बेटियां, बाईसा, बुआसा कार्यक्रम में आती हैं तो एक साथ सभी का मिलन हो जाता है। पूरे समाज में एक सामूहिक उत्सव का सा माहौल रहता है। अमरी कंवर बुआसा ने बताया कि वैसे तो हर साल, छः महीने के अंतराल पर कार्यक्रमों में या विशेष मिलने के लिए आती जाती रहती हैं किन्तु इस बार इस आयोजन ने उनका आना यादगार बना दिया है। पैंतीस चालीस साल बाद इस बाईसा स्नेह मिलन समारोह में बचपन की सहेलियों से मिलना हो गया। गुमान सिंह पटवारी ने बताया कि 85 वर्षीया बुजुर्ग अमरी बुआसा का अपनी हम उम्र बचपन की सहेलियों से भी पैंतीस चालीस वर्षों बाद मिलन होपाया, बुजुर्ग बुआसा ने भी आयोजन पर आभार जताया। मदन सिंह ने

बताया कि आयोजन में हर घर में उत्सव का सा माहौल नजर आया, मेहमाननवाजी हुई। कार्यकम में पधारी दो सौ से ज्यादा बहिन-बेटियों का समाज बंधुओं ने स्वागत अभिनन्दन-सम्मान किया और यूथ ने आयोजन की सफल जिम्मेदारी उठाई।

नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम आयोजित, महिलाओं को मिले स्वीकृति पत्र व चेक

निसं

खेतड़ी (नवयत्न)। खेतड़ी पंचायत समिति परिसर में प्रशासन की ओर से नारी चौपाल-नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक इंजी धर्मपाल गुर्जर थे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता एसडीएम सुनील कुमार चौहान ने की। कार्यक्रम के दौरान सर्वप्रथम अतिथियों ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में विधायक इंजी धर्मपाल गुर्जर ने कहा कि केंद्र सरकार के सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण को समर्पित 12 वर्षों की सफल यात्रा के उपलक्ष्य में नारी चौपाल-नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना की लाभार्थी महिलाओं को स्वीकृति पत्र एवं चेक वितरित किए गए। वक्ताओं ने कहा कि मातृशक्ति का सम्मान और सशक्तिकरण एक विकसित एवं समृद्ध राष्ट्र की आधारशिला है। केंद्र सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाएं महिलाओं के स्वास्थ्य, पोषण, सुरक्षा और आर्थिक आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने का कार्य कर रही हैं। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने कहा कि केंद्र सरकार के नेतृत्व में महिलाओं को समाज के प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़ने के अवसर मिल रहे हैं। आज देश की महिलाएं शिक्षा, रोजगार,

उद्यमिता और नेतृत्व के क्षेत्र में नई उपलब्धियां हासिल कर रही हैं। कार्यक्रम में महिला सशक्तिकरण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया गया कि यह केवल एक सरकारी नीति नहीं, बल्कि विकसित भारत के निर्माण का मजबूत आधार है। सरकार की योजनाओं से करोड़ों महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है तथा उन्हें सम्मान, सुरक्षा और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का अवसर मिला है। कार्यक्रम का समापन महिलाओं को सरकारी योजनाओं का अधिकाधिक लाभ उठाने तथा समाज में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के आह्वान के साथ हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया और केंद्र सरकार की महिला कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। इस मौके पर तहसीलदार सुनील कुमार मील, सीडीपीओ उमाकांत सुरोलिया, सरपंच गोपीराम डीलर, बबलू अवाना, प्रमोद कुमार, सतीश खरडिया, संदीप जांगिड़, महिपाल सिंह, जितेंद्र सिंह, संदीप कुमार, रोशन लाल, नवीन कुमार सहित अनेक लोग मौजूद थे।

स्व. राजेश पायलट को अर्पित की श्रद्धांजली

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। स्थानीय सालासर रोड़ स्थित राष्ट्रीय जाट महासभा के प्रदेश कार्यालय में पूर्व केन्द्रीय मंत्री राजेश पायलट की 26 वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन हुआ। श्रद्धांजलि सभा की अध्यक्षता करते हुए राष्ट्रीय जाट महासभा के प्रदेशाध्यक्ष धर्मेंद्र कीलक ने कहा कि राजेश पायलट दूरगामी सोच के एक महत्वपूर्ण जननेता थे। गांव, गरीब और किसान के लिए उन्होंने काफी काम किया। इस अवसर पर गणेश बुरड़क, नूर मोहम्मद पहाड़ियान, रामनिवास गुर्जर, अयूब खा नसवान, सैयद अली हसन, पूसराज, नरेंद्र, भागीरथ कुलहरि, बजरंगलाल गुर्जर, पप्पूराम ईसरावा, अशोक किलका, गिरधारी सिंह तेतरवाल, राजूराम ठोलिया, बुधसिंह बीदावत, गोपाल बांगड़वा, हरि भामू आदि ने राजेश पायलट को श्रद्धाजंलि दी। इसी प्रकार देव नारायण भगवान मंदिर में गुर्जर समाज

द्वारा समाज अध्यक्ष नरेन्द्र गुर्जर के नेतृत्व में पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व. राजेश पायलट को श्रद्धांजली अर्पित की गई। कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठजनों, युवाओं सदस्यों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। वक्ताओं ने उनके जीवन, किसान और युवाओं के उत्थान के लिए किए गए कार्यों तथा सामाजिक समरसता के संदेश पर प्रकाश डाला। रामनिवास गुर्जर ने राजेश पायलट को याद करते हुए कहा कि उन्होंने अपना पूरा जीवन किसानों, युवाओं और वंचित वर्ग के उत्थान के लिए समर्पित कर दिया। इस अवसर पर अजय सरधना, सांवरमल हाकला, ओम प्रकाश चौहान, बजरंग सरधना राजू छावनी, शंकरलाल लीलू, रविकांत लीलू सहित अनेक समाजबन्धुओं ने श्रद्धांजली अर्पित की।

मेजर जनरल संजीव डोगरा ने प्रिंस एनडीए एकेडमी के विद्यार्थियों को दिये सफलता के टिप्स

सुरेन्द्र शर्मा

सीकर (नवयत्न)। सीकर स्थित प्रिंस एनडीए एकेडमी में एसएसबी कॅरियर गाइडेंस सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार के मुख्य वक्ता भारतीय सेना के पूर्व मेजर जनरल एवं एसएसबी विशेषज्ञ संजीव डोगरा रहे। भारतीय सेना में 37 वर्षों तक सेवा दे चुके पूर्व मेजर जनरल डोगरा ने प्रिंस एनडी, एकेडमी एवं प्रिंस सैनिक स्कूल के एसएसबी कैडेट्स को एनडीए एग्जाम में सफलता के टिप्स दिये। उन्होंने कहा कि भविष्य में लीडर बनने के लिए जरूरी है कि छात्र अपनी पर्सनैलिटी को प्राकृतिक रूप से ग्रूम करें।

लीडरशिप कोई पद नहीं बल्कि गुणों का समूह है। अनुशासन, आत्मविश्वास, जिम्मेदारी और ऑफिसर लाइक क्वालिटीज को अपने व्यवहार में शामिल करके हर छात्र एक अच्छा लीडर बन सकता है। सेमिनार में

विद्यार्थियों ने संजीव डोगरा से अनेक प्रश्न भी पूछे जिनके जवाब देते हुए डोगरा ने डिफेंस में कॅरियर के अनेक विकल्प भी बताये। प्रिंस एनडीए एकेडमी के प्रबंध निदेशक ब्रिगेडियर बीबी जानू, एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर एचएस पिलखवाल, एकेडमिक हेड पवन कुमावत, प्रिंसिपल श्वेता तोमर एवं प्रबंधन सदस्य निरुपम सुण्डा ने संजीव डोगरा का स्मृति चिन्ह व पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मान किया।

जनसुनवाई में गैस सिलेंडर आपूर्ति व अधिक वसूली की शिकायत

दांतारामगढ़ (नवयत्न)।

उपखंड क्षेत्र में पंचायत समिति सभागार में गुरुवार को आयोजित जनसुनवाई के दौरान ग्राम पंचायत सुरेरा के ग्रामीणों ने गैस सिलेंडर आपूर्ति में अनियमितता एवं निर्धारित मूल्य से अधिक राशि वसूलने की शिकायत को लेकर तहसीलदार शैलजा शेखावत को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया गया कि सुरेरा गांव में रामगढ़ इंडेन ग्रामीण वितरक गैस एजेंसी द्वारा पिछले करीब तीन महीनों से गैस सिलेंडरों की अनियमित एवं अपर्याप्त आपूर्ति की जा रही है, जिससे उपभोक्ताओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों ने नियमित एवं पर्याप्त मात्रा में गैस सिलेंडरों की आपूर्ति सुनिश्चित करवाने की मांग की। इसके अलावा दूसरे ज्ञापन में अवगत करवाया गया कि गैस सिलेंडर वितरण के दौरान निर्धारित दर से अधिक राशि वसूली जा रही है।

फर्जी एम. टेक. डिग्री लगाकर सरकारी नौकरी पाने वाला जलदाय विभाग का जेईएन दुर्गाशंकर मेनारिया गिरफ्तार

निसं

जयपुर (नवयत्न)। राजस्थान पुलिस की स्पेशल ऑपरेशन्स ग्रुप एसओजी ने फर्जी शैक्षणिक दस्तावेजों के जरिए सरकारी नौकरी हासिल करने के एक मामले का पर्दाफाश करते हुए जलदाय विभाग के एक जूनियर इंजीनियर जेईएन को गिरफ्तार किया है। आरोपित ने आरपीएससी भर्ती में स्वयं को अधिक योग्य दिखाने के लिए एम.टेक. की कूटरचित डिग्री प्रस्तुत की थी। एसओजी ने आरोपित को न्यायालय में पेश किया। जहां से उसे पूछताछ के लिए पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया। एसओजी के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक विशाल बंसल ने बताया कि गिरफ्तार आरोपित दुर्गाशंकर मेनारिया उदयपुर जिले की भीण्डर तहसील के वाना गांव का निवासी है। वह वर्तमान में जलदाय विभाग में जूनियर इंजीनियर के पद पर भीण्डर क्षेत्र में कार्यरत है। जांच में सामने आया कि राजस्थान लोक सेवा आयोग आरपीएससी, अजमेर द्वारा वर्ष 2018-19 में समूह अनुदेशक, सर्वेयर एवं सहायक शिक्षिता सलाहकार ग्रेड-द्वितीय भर्ती परीक्षा आयोजित की गई थी। इस भर्ती के लिए केवल स्नातक की योग्यता निर्धारित थी, लेकिन आरोपी ने स्वयं को अधिक योग्य साबित करने के उद्देश्य से अपने ऑनलाइन आवेदन के साथ मानव भारती विश्वविद्यालय, सोलन ;हिमाचल प्रदेशद्ध से वर्ष 2010 से 2012 के दौरान प्राप्त एम.टेक. इलेक्ट्रिकल पावर सिस्टम की डिग्री भी संलग्न कर दी। लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार के बाद आरपीएससी ने उसका चयन कर लिया और दस्तावेज सत्यापन के लिए अभिलेख प्राविधिक शिक्षा निदेशालय, जोधपुर को भेजे गए।

दस्तावेजों की जांच के दौरान जब मानव भारती विश्वविद्यालय से एम.टेक. डिग्री का सत्यापन कराया गया तो विश्वविद्यालय ने स्पष्ट किया कि उक्त डिग्री आरोपी के नाम से कभी जारी ही नहीं की गई। जांच में डिग्री पूरी तरह फर्जी और कूटरचित पाई गई। इसके बाद प्राविधिक शिक्षा निदेशालय के निदेशक ने एसओजी थाने में आरोपी के खिलाफमामला दर्ज करायाए जिस पर कार्रवाई करते हुए एसओजी ने उसे गिरफ्तार कर लिया। एसओजी की पूछताछ में यह भी सामने आया कि आरोपी ने इसी कथित एम.टेक. डिग्री के आधार पर वर्ष 2015 से 2020 तक सिरोही जिले के पिंडवाड़ा स्थित माधव विश्वविद्यालय में सहायक तकनीकी अधिकारी के रूप में नौकरी की थी। वहां से प्राप्त अनुभव प्रमाण पत्र का उपयोग भी उसने अपनी योग्यता और अनुभव दर्शाने के लिए किया था।

एसओजी अब इस बात की जांच कर रही है कि आरोपी ने फर्जी एम. टेक. डिग्री किस माध्यम से प्राप्त कीए इसमें किसी दलाल, विश्वविद्यालय कर्मचारी अथवा अन्य व्यक्ति की भूमिका तो नहीं रही। साथ ही आरोपी की बी. टेक. सहित अन्य शैक्षणिक योग्यता संबंधी प्रमाण पत्रों का भी सत्यापन कराया जा रहा है। एडीजी विशाल बंसल ने बताया कि मामले की विस्तृत जांच जारी है और फर्जी डिग्री रैकेट से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका सामने आने पर उनके खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

माकपा ने प्रभारी मंत्री को सीवरेज और बायोमेडिकल वेस्ट के निस्तारण के लिए सौंपा ज्ञापन

हर्ष सोनी

झुंझुनू (नवयत्न)। 11 जून को मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के मलसीसर तहसील सचिव महिपाल पुनिया ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि जिले के प्रभारी मंत्री अविनाश गहलोत को शहर कि सीवरेज ओर बायोमेडिकल वेस्ट अनियमितता के खिलाफ ज्ञापन सौंपा गया। सचिव महिपाल पुनिया ने बताया कि शहर में सीवरेज की लाइनें रोड नंबर दो पर जाम रहने के कारण गंदा पानी भरा रहता है जिससे शहर में बीमारियों को खतरा बढ़ गया है। माकपा के सोशल मीडिया प्रभारी सचिन चोपड़ा ने बताया कि झुंझुनू शहर के निजी अस्पताल से

निकलने वाले बायोमिडकल वेस्ट नगर परिषद द्वारा घरों के कचरे के साथ सॉलिड वेस्ट डंपिंग यार्ड में डाला जा रहा है और डंपिंग यार्ड के पास 400 फिट से ज्यादा गहरी खाई है जिसमें बारिश के दौरान पानी भर जाता है और शहर के भूजल के साथ मिलकर वाटर टेबल को प्रदूषित कर रहा है। अनीश धायल ने बताया कि इस संबंध में पूर्व में भी नगर परिषद और जिला कलेक्टर को ज्ञापनों के माध्यम से सूचित करने के बाद भी कोई कार्यवाही नहीं कि जा रही है, और गैर जिम्मेदाराना रवैया अपनाया जा रहा है। प्रभारी मंत्री को शहर को बीमारियों से बचाने के लिए उचित दिशानिर्देश देकर कार्यवाही करने के लिए ज्ञापन सौंपा गया है। इस अवसर पर सचिन चोपड़ा, रमेश कुमार, अनीश धायल, कपिल चोपड़ा आदि मौजूद थे।